

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 27, 1988 (फाल्गुन 8, 1909)
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 27, 1988 (PHALGUNA 8, 1909)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

| पृष्ठ | पृष्ठ |
|---|-------|
| भाग I—खण्ड 1—रक्षा मंत्रालय को छोड़कर भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं | 187 |
| भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं | 247 |
| भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और सांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं | * |
| भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों, आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं | 263 |
| भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम | * |
| भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ | * |
| भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट | * |
| भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं) | * |
| भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) — भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं | * |
| भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) — भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) | * |
| भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश | * |
| भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निर्यंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और वर्धनस्वयं कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं | 227 |
| भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस | 157 |
| भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्ता के प्राधिकार के अधीन भवता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं | — |
| भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं | 493 |
| भाग IV—नैर-सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस | 29 |
| भाग V—अधेनी और हिन्दी दोनों में उच्च और मध्य कक्षाओं की विद्यार्थी छात्रा अधिसूचनाएं | — |

CONTENTS

| | PAGES | | PAGES |
|--|-------|--|-------|
| PART I—SECTION 1— Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court | 187 | PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii) —Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) | * |
| PART I—SECTION 2— Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court | 247 | PART II—SECTION 4— Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence | * |
| PART I—SECTION 3— Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence | * | PART III—SECTION 1— Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India | 287 |
| PART I—SECTION 4— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence | 263 | PART III—SECTION 2— Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs | 157 |
| PART II—SECTION 1— Acts, Ordinances and Regulations | * | PART III—SECTION 3— Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners | — |
| PART II—SECTION 1-A— Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations | * | PART III—SECTION 4— Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies | 493 |
| PART II—SECTION 2— Bills and Reports of the Select Committee on Bills | * | PART IV— Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies | 29 |
| PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i) —General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) | * | PART V— Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi | — |
| PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii) —Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) | * | | |

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय

राजभाषा विभाग (तकनीकी कक्ष)

नई दिल्ली—3, दिनांक 28 जनवरी, 1988

संकल्प

सं०-12015/30/87—रा० भा० (त० क०)
इस विभाग के दिनांक 6 मई, 1987 के संकल्प सं० 12015/12/84—रा० भा० (त० क०) विभागीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विकास, प्रयोग एवं उत्पादन से संबंधित अन्तर्विभागीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। इन समिति में श्री पी० पी० गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सी०एस०सी० लिमिटेड, नई दिल्ली को सदस्य के रूप में सम्मिलित किया गया है।

2. दिनांक 29 जुलाई, 1985 एवं दिनांक 6 मई, 1987 के संकल्प संख्या 12015/12/84—रा० भा० (त० क०) में दिए गए अन्तर्निर्णय उन्नी प्रकार रहेंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, योजना आयोग, नियंत्रक महा-लेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार, लोक सभा सचिवालय तथा राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की सर्वसाधारण के सूचनार्थ भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

कौशिक मुखर्जी, निदेशक (तकनीकी)

वाणिज्य मंत्रालय

पूर्ति विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी, 1988

संकल्प

सं० पी०-3-1(5)/86—सरकारी खरीद के संबंध में अलग से एक कानून के सामान्य ढांचे और उसके उद्देश्य पर विचार करने और सुझाव देने के लिए दिल्ली, उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्ति मुख्य न्यायाधीश श्री प्रकाश नारायण की अध्यक्षता में एक कार्य-दल का गठन पूर्ति विभाग के दिनांक 11 जून, 1987, सं० पी०-3-1(5)/86 के संकल्प के तहत (जिसका संशोधन दिनांक 15-10-1987 के समसंख्यक संकल्प द्वारा हुआ) किया गया था। उक्त संकल्प में निम्नलिखित संशोधन किया जाना है।

बैरा 6 में “15 दिसम्बर, 1987 तक” के स्थान पर “15 अप्रैल, 1988 तक” पढ़ा जाए।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को प्रति सभी संबंधित को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सर्वसाधारण की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

आर० सी० कपिला, अवर सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1988

संकल्प

सं० सी० पी० एस०- 19-45/85- फ० एकक-3—भारत-सरकार, कृषि मंत्रालय कृषि और सहकारिता विभाग ने देश से

“कमल बंट” मुक्त गेहूं की खेती किए जाने के प्रश्न पर विचार करने के लिए एक आयोजना अनुसंधान तथा कार्यकारी दल का गठन किया है, दल का गठन निम्न प्रकार है :—

1. गठन

- | | | | |
|---|---------|--|-------------|
| (1) डा० एम० बी० राव, विशेष महा निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि भवन, नई दिल्ली। | अध्यक्ष | (11) डॉ० डी० एन० राम, कृषि निदेशक, बीहार, पटना। | सदस्य |
| (2) डा० एस० एस० खन्ना, सलाहकार (कृषि), योजना आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली। | सदस्य | (12) श्री एन० एन० मेहता, कृषि निदेशक, मध्य प्रदेश, भोपाल। | सदस्य |
| (3) श्री एम० आर० मिश्रमण, संयुक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली | सदस्य | (13) डॉ० एस० एन० जोशी, कृषि निदेशक, गुजरात, अहमदाबाद। | सदस्य |
| (4) श्री के० एम० साहनी, संयुक्त सचिव, खाद्य विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली | सदस्य | (14) श्री प्रदीप कुमार देव, कृषि निदेशक, राजस्थान, जयपुर। | सदस्य |
| (5) डा० टी० बी० सम्पत्, कृषि आयुक्त, कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली। | सदस्य | (15) डॉ० जे० पी० टण्डन, परियोजना निदेशक (गेहूं) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली। | सदस्य सचिव। |
| (6) श्री लालजीत सिंह, मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, भारतीय खाद्य निगम, 16-20, बाराखम्बा लेन, नई दिल्ली। | सदस्य | 2. विचारार्थ विषय : | |
| (7) श्री आर० आर० शर्मा, कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ। | सदस्य | (1) भारत में गेहूं के उत्पादन में “कमल बंट” की समस्या की जांच करना; | |
| (8) श्री सुखदेव सिंह, कृषि निदेशक, पंजाब, चण्डीगढ़। | सदस्य | (2) उन विशेष समस्याओं की जांच करना, जिनसे आयात करने वाले देश हमारे गेहूं को अस्वीकार कर देते हैं; और | |
| (9) श्री बीरबल, कृषि निदेशक, हरियाणा, चण्डीगढ़। | सदस्य | (3) निर्यात के प्रयोजन के लिए गेहूं की उपयुक्तता सुनिश्चित करने हेतु उपचारात्मक उपायों की सिफारिश करना। | |
| 10. डॉ० के० एस० नन्दपुरी, अनुसंधान निदेशक, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, (पंजाब) | सदस्य | 2. यह दल अपन गठन की तिथि से छः महीने की अवधि के भीतर अपना कार्य पूरा करके रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगा। | |
| | | आदेश | |
| | | आदेश किया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधित को भेजी जाए। | |
| | | यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सर्वसाधारण की जाबकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए। | |
| | | पी० डी० खेमानी। निदेशक (फसल) | |

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1988

संकल्प

सं० 48(8) भेड़:—केन्द्रीय भेड़ विकास परामशदात्री परिषद के पुनर्गठन के सम्बन्ध में हम मंत्रालय के संकल्प सं० 48(8) 81-भेड़ दिनांक 8-11-1985 के साथ पठित संकल्प सं० 48(8) 81-भेड़ दिनांक 19-11-1986 के अनुक्रम में भारत सरकार ने श्री राजकुमार नागरय, अध्यक्ष भारत दलित सेवक समाज संघ मण्डल, आगरा, उत्तर प्रदेश को किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले गर-मरकारी सदस्य के रूप में नामित करने का निर्णय लिया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों, योजना आयोग, मन्त्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री का कार्यालय, लोक सभा सचिवालय, तथा राज्य सभा सचिवालय को भेज दी जाये।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० पी० वर्मा, अवर सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1988

संकल्प

सं०-यू०-23013/31/87-एल० डब्ल्यू०—भारत के राजपत्र असाधारण भाग-1 खण्ड-1 में प्रकाशित देश में कोल वाशरीज में ठेका श्रम पद्धति को समाप्त करने के प्रश्न पर विचार करने के लिए समिति गठित करने के बारे में श्रम मंत्रालय के दिनांक 3 सितम्बर, 1987 के संकल्प सं० यू०-23013/11/86-एल० डब्ल्यू० के पैरा 2 में आंशिक संशोधन करते हुए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित संशोधन करती है:—

उक्त संकल्प में क्रम सं० 2 के मामले दर्शाए गए शब्दों और अंकों

“श्री एम० एल० मारावणी, प्रेसीडेंट फेडरेशन ऑफ इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज, मैमर्स एम० के० मारावणी एण्ड कम्पनी (प्रा०) लि०, “रायचट बिल्डिंग” पहली मंजिल, 25-12-36, गोडावरी स्ट्रीट, विशाखापत्तनम-530001 के लिए निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात्:—

2. श्री बी० जे० त्रिवेदी, ————— सदस्य

प्रेसीडेंट, फेडरेशन ऑफ इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज, मैमर्स जे० ए० त्रिवेदी ब्रदर्स, पोस्ट बाक्स सं० 1, मैन रोड, बालाघाट, मध्य प्रदेश-481001

2-471GI/87

आदेश

संकल्प की एक प्रति निम्नलिखित को भेजी जाए:—

1. केन्द्रीय मालाहकार ठेका श्रम बोर्ड के सभी सदस्यों को।
2. श्री बी० जे० त्रिवेदी प्रेसीडेंट, फेडरेशन ऑफ इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज, मैमर्स जे० ए० त्रिवेदी ब्रदर्स, पोस्ट बाक्स सं० 1, मैन रोड, बालाघाट, मध्य प्रदेश-481001
3. क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) बंगलोर सं० बी०-2, डाक्टर्स कालोनी जगजीवन नगर, धनबाद-826003 को उनके दिनांक 26-10-1987 के पत्र सं० 34/3(22)/86-सी०-7 के संदर्भ में।

4. सेक्रेटरी, फेडरेशन ऑफ इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज, 301, बक्शी हाउस, 40-41, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति भारत के राजपत्र, भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित की जाए।

ए० के० श्रीवास्तव, महानिदेशक (श्रम कल्याण)
संयुक्त सचिव,

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी, 1988

नियमावली

सं० 87/ई० (जी० आर०)/1/18/2—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियां भरने के लिए 1988 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

वर्ग 1—सिविल इंजीनियर!

ग्रुप क सेवाएं/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (4) सैनिक इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सड़क संवर्ग)
- (5) सैन्य इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षक संवर्ग)
- (6) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (7) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (8) सहायक इंजीनियर (सिविल), डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध।

(9) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा)
सिविल इंजीनियरी पद

(10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) सीमा
सड़क इंजीनियरी, सेवा ग्रुप "क"

ग्रुप ख सेवाएं/पद

(11) सहायक इंजीनियर (सिविल), सिविल निर्माण
स्कन्ध आकाशवाणी ।

वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

(1) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
(2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी
पद) ।

(3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी
पद) ।

(4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी
पद) ।

(5) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा)
(यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।

(6) भारतीय नौ सेना, आयुद्ध सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी
पद) ।

(7) सैन्य इंजीनियरी सेवा (वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग)
(यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।

(8) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा
(यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।

(9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियर का पद)
तकनीकी विकास महानिदेशालय (यांत्रिक इंजी-
नियरी पद) ।

(10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत तथा यांत्रिक)
यांत्रिक इंजीनियरी पद, सीमा सड़क इंजीनियरी
सेवा ग्रुप 'क' ।

(11) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजी-
नियरी पद) ।

(12) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बर्मा इंजीनियर
(कनिष्ठ) ग्रुप 'क' ।

(13) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर
(कनिष्ठ) ग्रुप 'क'

ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

(14) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ई०
एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

(1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
(2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)
(3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत
इंजीनियरी पद) ।

(4) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा)
(वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

(5) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी
पद) ।

(6) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी
पद) ।

(7) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (वैद्युत) (डाक-तार
सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) ।

(8) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद
तकनीकी विकास महानिदेशालय (वैद्युत इंजीनियरी
पद) ।

(9) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (वैद्युत
इंजीनियरी पद) ।

(10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत और यांत्रिक)
वैद्युत इंजीनियरी पद सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

(11) सहायक इंजीनियरी (वैद्युत), सिविल निर्माण स्कन्ध,
आकाशवाणी ।

वर्ग-4—इलैक्ट्रानिकी और दूर-संचार

इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

(1) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।

(2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (दूर संचार) (इलैक्ट्रानिकी
इंजीनियरी पद) ।

(3) भारतीय दूर संचार सेवा ।

(4) इंजीनियर वायरलेस आयोजन और समन्वय स्कन्ध/
अनश्रवण संगठन ।

(5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा ।

(6) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा)
(इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।

(7) भारतीय नौ सेना आयुद्ध सेवा (इलैक्ट्रानिकी इंजीनि-
यरी पद) ।

(8) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूरसंचार इंजीनियरी
पद) ।

(9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद
तकनीकी विकास महानिदेशालय (इलैक्ट्रानिकी तथा
दूर संचार इंजीनियरी पद) ।

(10) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (इलैक्ट्रानिकी इंजी-
नियरी पद) ।

(11) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलैक्ट्रानिकी
इंजीनियरी पद) ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट 1 निर्धारित नीति से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा।

2. उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के वर्ग में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिसके लिए वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो।

विशेष ध्यान 1:—उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वह अपने आवेदन-प्रपत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयता क्रम में उल्लेख करें जिन सेवाओं/पदों के लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हैं। यदि वह किसी सेवा/पद का वरीयता क्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-प्रपत्र में कतिपय सेवाओं/पदों को सम्मिलित नहीं करता है तो यह मान लिया जायेगा कि उन सेवाओं/पदों के लिए उसकी कोई विशिष्ट वरीयता नहीं है और ऐसी स्थिति में सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों के वरीयताओं के अनुसार आवंटन करने के पश्चात् जिनमें रिक्तियाँ होंगी उसका किसी भी शेष सेवाओं/पदों पर आवंटन कर दिया जायेगा। इस प्रकार का आवंटन करते समय उन उम्मीदवारों को पहले ग्रुप "क" सेवाओं/पदों और बाद में ग्रुप "ख" सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 2:—उम्मीदवार जिन सेवा/पद से संबंध वर्ग/वर्गों अर्थात् सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जायेगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है। आयोग या रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशोधित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए।

विशेष ध्यान 3:—उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिस सेवाओं और पदों से सम्बंधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है। उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान 4:—वे विभागीय उम्मीदवार, जिन्हें आयु सीमा में छूट के अधीन [देखिए नियम 5 (ख)] परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गयी है, अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता प्रकट करें। तथापि पहले उन्हें अपने ही विभाग सेवाओं/

पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गयी वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 5:—नियम 6 के उपबन्ध में अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबन्ध में निर्दिष्ट पदों के लिए है और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं यदि कोई हों पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

4. कोई उम्मीदवार या तो:—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत से स्थायी निवास के ह्रादे से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या
- (ङ) भारत में स्थायी निवास के ह्रादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कोनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार, के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ.) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उक्त आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त 1988 को 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1960 से पहले और 1 अगस्त, 1968 के बाद न हुआ हो।

(ख) नियम-दो के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (3) में निर्दिष्ट शर्तों के अधधीन रहते हुए निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम-1 में निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए परीक्षा

में प्रवेश पाने हेतु, जिसके लिए वे अन्यथा पात्र है, आवेदन करते हैं—ऊपरी आयु-सीमा 28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होगी :

- (1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थायी पद पर है। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्ति परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।
- (2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1988 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

| कालम 1 | कालम 2 |
|--|---|
| रेल विभाग | आई० आर० एस० ई०, आई० आर० एस० ई० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एम० ई०, आई० आर० एस० एस०। |
| केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग | सी० ई० एस० ग्रुप क, सी० ई०। एण्ड एम० ई० एस० ग्रुप क। |
| इंजीनियर-इन-चीफ, थल सेना मुख्यालय | एम० ई० एस० ग्रुप क (बी० एण्ड आर० कैंडर निर्माण सर्वेक्षक संवर्ग) एम० ई० एस० ग्रुप क (ई० एण्ड एम० कैंडर)। |
| आयुध कारखाना महा-निदेशालय | आई० ओ० एफ० एस० ग्रुप क |
| केन्द्रीय जल आयोग | सी० डब्ल्यू० ई० (ग्रुप क) सेवा। |
| केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण | सी० पी० ई० (ग्रुप क) सेवा। |
| बेतार आयोजन तथा समन्वय स्कंध अनुश्रवण सगठन | इंजीनियर (ग्रुप क)। |
| सड़क सीमा सगठन | सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा। |
| आकाशवाणी दूरदर्शन | भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा का फनिष्ठ वेतनमान, सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल इलैक्ट्रिकल), सिविल कन्स्ट्रक्शन विंग, आकाशवाणी। |
| भारतीय नौ सेना | भारतीय नौ सेना आयुध सेवा। |
| वाक तार विभाग | भारतीय दूरसंचार सेवा, ग्रुप क सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल दूरसंचार) ग्रुप क, वाक तार सिविल स्कंध। |
| ऊर्जा विकास महा-निदेशालय | सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) ग्रुप 'क'। |
| आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय | आई० एस० एस० (ग्रुप 'क')। |
| भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण | आई० आई० एस० (ग्रुप 'क') बर्मा इंजीनियर, (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' तथा यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'। |

टिप्पणी :—प्रशिक्षुता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्ति हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिए प्रशिक्षुता की अवधि रेल सेवा मानी जायेगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जायेगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक ;
- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ;
- (4) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और अक्टूबर, 1964 को या उसके बाद भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;
- (6) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (7) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;
- (8) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कर्मियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष ;
- (9) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के कर्मियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष ;

- (10) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित भूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय परिपत्र हों) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (11) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतमूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय परिपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ;
- (12) यदि उम्मीदवार भारतमूलक व्यक्ति हो और उसने कीनियां, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो या जंबिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (13) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारतमूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारतमूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 1988 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1988 से छः महीने के अन्दर पूरा होना है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक ;
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 1988 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1988 से छः महीने के अन्दर पूरा होना है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ;
- (16) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1988 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाणपत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष ;
- (17) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामले में जिन्होंने 1 अगस्त, 1988 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष ;
- (18) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ;
- (19) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी है, जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ;
- (20) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक ;

- (21) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक ग्याह वर्ष तक;

टिप्पणी :—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(ग) 14 और 5(ग) 15 के अधीन आयु सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं।

विशेष ध्यान :—जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त, नियम 5(ख) या (ग) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग पत्र दे देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छूटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण होने पर रहता बशर्तकि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अंग्रेषित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार—

- (क) के पास भारत के केन्द्रीय या राज्य विद्यालय मण्डल द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए अथवा
- (ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा
- (ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो, अथवा
- (घ) इलैक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा

- (ङ) भारतीय वैमानिकी सोसायटी की एसोशिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग II और III खण्ड क और ख उत्तीर्ण हो; या

- (च) यांत्रिक इंजीनियरों की संस्था (भारत) की एसोशिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और ख) उत्तीर्ण हो; या

- (छ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलैक्ट्रानिकी और रेडियो संचार इंजीनियरों की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

नवम्बर, 1959 से पहले इलैक्ट्रानिकी और रेडियो इंजीनियरों की संस्था (लंदन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा भी निम्नलिखित स्थितियों में स्वीकार्य होगी :—

- (1) कि जिन उम्मीदवारों ने नवम्बर, 1959 से पहले ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में बैठें हों और उनमें उत्तीर्ण हों—

- (1) रेडियो और इलैक्ट्रानिकी 1 के सिद्धान्त (सेक्शन "ए")

- (2) गणित 2 (सेक्शन "बी")।

- (2) कि सम्बद्ध उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) पर निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रानिकी और रेडियो इंजीनियरी की संस्था लन्दन से प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए।

किन्तु वायरलेस आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी भुप क, भारतीय प्रसारण इंजीनियरी सेवा तथा भारतीय नौसेना आयुध सेवा (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे :—

वायरलेस संचार इलैक्ट्रानिकी रेडियो भौतिक या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय से साथ एम० एस० सी० डिग्री या समकक्ष।

टिप्पणी 1—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे वह उत्तीर्ण कर लेने पर शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम का सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की ग्रहक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे ग्रहक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और दूर हालत में 15 दिसम्बर, 1988 तक नीचे निर्धारित पत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 2—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हक प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उससे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या वैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों अथवा जो लोक उद्यमों में सेवारत हों, उन सबको इस आशय का परिवचन (अण्डरटेकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परी 1 में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य-साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य किये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या

(8) उत्तर-पुस्तिकाओं पर अश्रंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अमद्र आशय की हों, या

(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या

(11) परीक्षा की अनुमति देने हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया है, अथवा

(12) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे:—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए:—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक:—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवक्षा पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार

हेतु नहीं बुझाए जा सकते तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप में दिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों की योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुसूचा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तब अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं चुने जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा वे (स्तर में छूट देकर) चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुसूचित किए जा सकेंगे। बशर्ते कि वे उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों को पहले उन्हें उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के, उनके अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही, उन्हें उनके द्वारा दी गई वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो।

यदि विहित डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस को की जाएगी (शनिवार और रविवार छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी) इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बसंत लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार अशमा लगते हों तो उन्हें हाल ही के चयन के नम्बर के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरी जांच में छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं जिनके सेवाओं/पदों के लिए सं० लो० सं० आ० की वरियता बतायी है उन सेवाओं के विशेष संवर्ग में इन मापदण्डों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनको (सोलह रुपये) ₹० 16/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टरी जांच के सम्बन्ध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उनको रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जायेगी।

निराशा में बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी

से अपनी डाक्टरी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले 1जन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट II में दिए गए हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप नियुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों को प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं में स्तर में से छूट दे सकती है।

18. जिस व्यक्ति ने—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नि पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नि के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट में दिया गया है।

एस० एम० वैश्य, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट 1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग-1—लिखित परीक्षा दो भागों में होगी। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्नपत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्न पत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग 2—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जायेगी :—

श्रेणी-I—सिविल इंजीनियरी
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

| विषय | कोड | अवधि | पूर्णांक |
|--------------------------------------|-----|--------|-------------|
| खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र | | | |
| सामान्य योग्यता परीक्षण | | | |
| (भाग क: सामान्य अंग्रेजी) | 01 | 2 घंटे | 200 |
| (भाग ख: सामान्य अध्ययन) | 02 | | |
| सिविल इंजीनियरी | | | |
| प्रश्न पत्र I | 11 | 2 घंटे | 200 |
| सिविल इंजीनियरी | | | |
| प्रश्न पत्र II | 12 | 2 घंटे | 200 |
| खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र | | | |
| सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I | 13 | 3 घंटे | 200 |
| सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II | 14 | 3 घंटे | 200 |
| योग | | | 1000 |

श्रेणी II—यांत्रिक इंजीनियरी
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

| विषय | कोड | अवधि | पूर्णांक |
|--------------------------------------|-----|--------|-------------|
| खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र | | | |
| सामान्य योग्यता परीक्षण | | 2 घंटे | 200 |
| (भाग क: सामान्य अंग्रेजी) | 01 | 2 घंटे | 200 |
| (भाग ख: सामान्य अध्ययन) | 02 | | |
| यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न पत्र-I | 21 | 2 घंटे | 200 |
| यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II | 22 | 2 घंटे | 200 |
| खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र | | | |
| यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I | 23 | 3 घंटे | 200 |
| यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II | 24 | 3 घंटे | 200 |
| योग | | | 1000 |

श्रेणी III—वैद्युत इंजीनियरी
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

| विषय | कोड | अवधि | पूर्णांक |
|--------------------------------------|-----|--------|-------------|
| खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र | | | |
| सामान्य योग्यता परीक्षण | | | |
| (भाग क: सामान्य अंग्रेजी) | 01 | 2 घंटे | 200 |
| (भाग ख: सामान्य अध्ययन) | 02 | | |
| वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र I | 41 | 2 घंटे | 200 |
| वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र II | 42 | 2 घंटे | 200 |
| खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र | | | |
| वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र I | 43 | 3 घंटे | 200 |
| वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र II | 44 | 3 घंटे | 200 |
| योग | | | 1000 |

श्रेणी IV—इलेक्ट्रानिकी और दूर-संचार इंजीनियरी
(नियमावली की पालना देविए)

| विषय | कोड | अवधि | पूर्णांक |
|---------------------------------------|-----|--------|----------|
| खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र | | | |
| सामान्य योग्यता परीक्षण | | 2 घंटे | 200 |
| (भाग क सामान्य अंग्रेजी) | 01 | | |
| (भाग ब सामान्य अध्ययन) | 02 | | |
| इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार | 61 | 2 घंटे | 200 |
| इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I | | | |
| इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार | 62 | 2 घंटे | 200 |
| इंजीनियरी प्रश्न-पत्र | | | |
| खण्ड II—परम्परागत प्रश्न पत्र | | | |
| इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार | 63 | 3 घंटे | 200 |
| इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I | | | |
| इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी | | | |
| प्रश्न-पत्र II | 64 | 3 घंटे | 200 |
| योग | | | 1000 |

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार को नेतृत्व क्षमता, पहले तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जस्वता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जायें । प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे ।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे । किसी भी हासत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है ।

7. केवल सही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे ।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित विषयों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जायेंगे ।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को श्रेय दिया जायेगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में क्रमबद्ध प्रभाव पूर्ण ढंग की ओर सही हो ।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक होल और पाथ की मीटरी प्रणाली से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे ।

नोट—उम्मीदवारों को ज्ञान की जरूरी समझा जाएगा परीक्षा भवन में सन्दर्भ हेतु भारतीय वायु संध्या द्वारा संचालित तथा प्रकाशित मीटरी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी ।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निम्न) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है । परीक्षा

भवन में किसी से कैलकुलेटर मागने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है ।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तु-परक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते । अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं ।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए ।

परिशिष्ट 1 की अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि एक इंजीनियरी/विज्ञान स्नातक में अपेक्षा की जाती है । अन्य विषयों के प्रश्न पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्व-विद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा । किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी ।

सामान्य योग्यता परीक्षण

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी (कोड सं० 01) :— अंग्रेजी का प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार को अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके ।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन (कोड सं० 02) :— सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र से सामयिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है । प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे ।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 11 और परम्परा-गत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 13

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर, इमारती लकड़ी, ईंट, सीमेंट, लेप, कंक्रीट रचित, इस्पात ।

2. ऋण धार्मिकी

प्रतिबल, विकृति, घन द्रव्य का विफल सिद्धांत, साधारण बकन और विमोटन के सिद्धांत, अपरूपण केन्द्र ।

3. आलेखी स्थैतिकी

बल बहुभुज प्रतिबल आरेख

4. संरचनात्मक विश्लेषण

ट्रसेज और फ्रेम का विश्लेषण

प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय

5. धातु संरचना का अभिकल्पन
कार्यकारी प्रतिबल और साधारण संरचना के चरम सामर्थ्य अभिकल्पना
6. कन्क्रीट और चिनाई रचना के अभिकल्पन
चिनाई दीवार का अभिकल्पन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभिकल्पन, प्रबलित और प्रतिबलित कन्क्रीट प्रबलित और प्रतिकूलित का चरम सामर्थ्य अभिकल्पन ।

प्रश्न पत्र-II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं० 12 और परम्परागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं० 14

1. तरल यांत्रिकी जल स्रोत; इंजीनियरी ।
विद्युत चैनल और पाइप प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन और जलीय संरचना ।
2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी और उनके सामान्य सिद्धांत, प्रबलता प्राचल; भूमि दाब के सिद्धांत उपसे और गहरे आधारों के अभिकल्प ।
3. रेल इंजीनियरी तथा सर्वेक्षण कार्य सहित परिवहन इंजीनियरी, सड़क अतिउन्नयन नियमन प्रयणता, कुटिभ, यातायात नियंत्रण, अभिकल्पन विचारण ।
4. पर्यावरण इंजीनियरी :
जल स्वच्छता, सीवेज अभिक्रिया एवं निपटान ।
5. निर्माण, नियोजन और प्रयत्न
निर्माण पद्धति के तत्व, बार चार्ट, सी० पी० एस० पी० ई० आर० टी०

यांत्रिकी इंजीनियरी
(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)
प्रश्न-पत्र-I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं० 21 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 23

1. उष्मागतिकी
नियम, आदर्श गैसों और वाष्प के गुण धर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, ईंधन दहन ।
2. आई० सी० इंजन
सी० आई० और एस० आई० इंजन, अधिस्फोटन ईंधन अंतःश्लेषण और कार्बुरेशन निष्पादन और परीक्षण टर्बो जेट और टर्बो प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय ईंधन का प्रारम्भिक ज्ञान ।
3. वाष्प वायलर, ईंधन, वाष्प टरबाइन, प्रारूप, नाजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया टरबाइन के वेग आरेख, दक्षता और नियंत्रण ।
4. संपीडित, गैस गतिकी और गैस टरबाइन प्रत्यागामी, केन्द्रभिमुख और अक्षीय प्रवाह के संपीड़ित वेग

आरेख/दक्षता और निष्पादन । प्रवाह पर यांत्रिकी अंकों का प्रभाव, आर्धेन द्रुपिक प्रवाह, नाजल से सामान्य प्रपात और प्रवाह बहुचरणीय संपीड़न सहित गैस टरबाइन चक्र, पुनरुत्पन्न, पुनर्निष्पादन ।

5. उष्मा अन्तरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन, संवहन और विकरण उष्मा/निर्निमित्तक प्ररूप । सम्मिलित उष्मा अन्तरण । संपूर्ण उष्मा अन्तरण गुणांक प्रशीतन और उष्मा पंप चक्र । प्रशीतन प्रणाली । निष्पादन के गुणांक—साइक्रोमीट्रिक और साइक्रोमीट्रिक चार्ट कम्फर्ट सूचक, प्रशीतन और निराद्रीकरण विधि । औद्योगिक वातानुकूल प्रक्रिया । शीतल और तापन भार गणना ।

6. तरलों के वर्गीकरण और गुणधर्म, तरल, स्थैतिकी शुद्ध गतिकीय और गतिकी; सिद्धांत और प्रयोग; दाबोत्तरमापीय और उत्पादावन । आदर्श तरलों का प्रवाह । स्तरीय तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह । पटिमीमा स्तर सिद्धांत/निर्भजित वस्तुओं पर प्रवाह । पाइपों और खुली नालियों में प्रवाह, विव्रीय विक्षेपण तथा सादस्य तकनीक अभिमीय विशिष्ट गति तथा सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण ऊर्जा हस्तांतरण संबंध । पम्पों और आवेगों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन । द्यंगति विद्युत संचारण ।

प्रश्न-पत्र-II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं० 22 और परम्परागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं० 24

7. मशीनों का सिद्धांत (1) गतिमान पिंड (2) मशीनों के वेग और त्वरण क्वाइन का निर्माण मशीनों में जड़त्व बल कैम्स, गीयर और गियरन गतिपालक चक्र और नियामक पिंडों का पूर्ण एवं प्रत्यागामी-संतुलन स्वतंत्र और प्रणोदिन कम्पमान की प्रणाली शैक्ट की क्रांतिक गति और भूगरी ।

8. मशीन अभिकल्पन—पेंच बंधन और पावर स्क्रू का जोड़—कुजियां कोटरस, युत्तम—वेल्ड संघि पार-गमन पद्धति :—पट्टा और चेत चालित—तार रज्जू—शेपट ।

गिजर—सर्पी और रोलिंग वेयरिंग ।

9. पदार्थों की सबलता :
द्वितीय प्रतिबल और विकृति मोड्यूर से चक्र प्रत्यास्थियों के बीच संबंध ।

किरणपुंच—बंकन आधूर्ण अपरूपक बल और विक्षेप शेपट—सम्मिलित बंकन प्रत्यक्ष और मरोड़ी प्रतिबल स्थूल—वेल्ड सिलिण्डर और दाब के अन्तर्गत गोलक स्पिंग, आलम्बन स्तम्भ और कालम, विफलन का सिद्धांत ।

10. इंजीनियरी पदार्थ :

मिश्र धातु और ताप अभिक्रिया; संयोजन गुणधर्म और प्रयोग प्लास्टिक और अन्य नए इंजीनियरी पदार्थ ।

11. उत्पादन इंजीनियरी :

धातु मशीनीकरण :—कटन औजार, और धातु, घिसाई और यांत्रिकरणीयता कटन शक्ति का माप प्रक्रियाएं—मशीनीकरण—प्रेषण, बेंधन, गोबर, निर्माण धातु रूपांकन, धातु संकचन और सम्मिलित बेसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संख्यात्मक, नियंत्रित मशीनी औजार, जिग और अनुलग्नी (तत्वों का अवस्थापन) ।

12. औद्योगिक इंजीनियरी :

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन, संयंत्र विन्यास के सिद्धांत—उत्पादन नियोजन एवं नियंत्रण, पदार्थ व्यवस्था सक्रिय विज्ञान । रैखिक प्रोग्रामन् पंक्ति सिद्धांत इंजीनियरी जाल विश्लेषण । सी० पी० एम० एवं पी० ई० आर० टी० संगुणकों का उपयोग ।

वैद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र—I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 41 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 34

1. वद्युत परिपथ :

जाल प्रमेय, ज्यावकीय जाल के सोपानों, रैम्प, अमवेग और ज्यावकीय निवेश की अनुक्रिया, आवृत्ति क्षेत्र का विश्लेषण, द्विप्रदार, जल संश्लेषण का तत्व संकेत—प्रवाह ग्राफ ।

2. ई० एम० सिद्धांत :

वैद्युत स्थैतिक, संदिश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चुम्बक स्थैतिक चुम्बकीय पदार्थों और चालक के अन्तर्गत परावैद्युत के क्षेत्र । समय परवर्ती क्षेत्र, मैक्सवेल का समीकरण, चालन परावैद्युत मिडिया में समतल तरंग संचरण, संक्षरण लाईन का गुणधर्म ।

3. पदार्थ विज्ञान । (वैद्युत—पदार्थ) :

पट्ट सिद्धांत स्थितिज और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार, दाब विद्युत । धातु की चालकता अति चालकता पदार्थों का चुम्बकीय गुणधर्म । फेरों और फेरी—चुम्बकत्व अर्धचालकों में चालकता हाल प्रभाव ।

4. वैद्युत मापन :

मापन के सिद्धांत, परिपथ पेरामीटर का सेतु मापने का माप यंत्र । बी० टी० वी० एम० तथा सी० आर०

ओ० क्यू०—मीटर, स्पेक्ट्रम विश्लेषक । ट्रान्सड्यूसर्स तथा गैर-विद्युत मात्राओं का मापन, अंकीय मापन दूरमापन तथ्य अभिलेखन तथा प्रदेश ।

प्रश्न पत्र-II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 44

5. अभिकलन के तत्व :

अंकीय प्रणाली, एल्गोरिथम विधियां, प्रवाह-सचिवण भण्डार, प्ररूप विवरण, सारणी भण्डार अंक गणित निष्पीडित, तार्किक निष्पीडन निर्दिष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञानिक तथा इंजीनियरी अनुप्रयोग ।

6. वैद्युत उपकरण तथा प्रणालियां :

वैद्युत यांत्रिकी : वैद्युत यांत्रिकीय ऊर्जा रूपान्तरण सिद्धांत । डी० सी०, तुल्यकालिक तथा प्रेरण मशीनी का विश्लेषण । भिन्न काम से अश्व-शक्ति मोटर । नियंत्रण प्रणालियों में मशीनें ट्रांसफार्मर्स । चुम्बकीय परिपथ तथा परिचालकों के लिए मोटरों का चयन ।

विद्युत प्रणाली—विद्युत उत्पादन : तापीय, जलीय चालक, विद्युत प्रणाली रक्षण । आर्थिक परिचालन, लोड आवृत्ति—नियंत्रण, स्थापित विश्लेषण ।

7. नियंत्रण प्रणालियां :

विवृत—वाश तथा स्वतः पाश प्रणालियां, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियां । स्थिति—परिवर्ती उपगमन ।

8. इलेक्ट्रॉनिक तथा संचार :

इलेक्ट्रॉनिकी :—धनावस्था युक्तियों तथा परिपथ तथा सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पुनर्भरण प्रवर्धक वालम तथा संक्रियात्मक प्रवर्धक एफ० टी० परिपथ तथा रैखिक आई० सी० । स्वचन परिपथ जुलिय बीजगणित, तर्क परिपथ, सांयोजिक तथा अनुक्रमिक अंकीय परिपथ ।

संचार :—सिगनल विश्लेषण, सिगनलों का प्रेषण । माड्युलन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का समुचन । संचार प्रणालियों का निष्पादन ।

इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र-I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 61 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 63

पदार्थ :

1. सामग्री, घटक तथा युक्तियां :

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुणधर्म निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म । सक्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म — धनावस्था युक्तियों—भौतिक लक्षण तथा नमूने ।

2. जाल सिद्धांत :

जाल प्रमेय । विद्युत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया । परिपथ जल विश्लेषण । प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण ।

3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत :

क्षेत्रगति सिद्धांत । संचरण लाइन सिद्धांत । एंडोना सिद्धांत परिवर्द्ध तथा अपरिवर्द्ध मोडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का पनपन ।

4. मापन तथा मंत्रीकरण :

विद्युत मात्राओं का आधारभूत माप । यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्य-प्रणाली का सिद्धांत । ट्रांसड्यूसर्स ।

विद्युत मात्राओं का माप :

प्रश्न पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्र के लिए कोड सं० 62 और परम्परा-उत्त प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 64

1. रखिक तथा अरेखिक अनुरूप परिपथ :

मूल रखिक इलेक्ट्रानिक परिपथ । स्पंद-रूपण परिपथ । तरंग आकार जनित । स्थायीकारक ।

2. अकीय परिपथ :

तर्क परिपथ तथा गेट । संगणन परिपथ । सांयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ ।

3. नियंत्रण प्रणालियां :

पुनर्भरण सिद्धांत । नियंत्रण प्रणाली घटक । नियंत्रण प्रणालियों की अनुक्रिया । व्यवहारिक प्रणाली का अभिकल्पन ।

4. संचार प्रणालियां :

मूल सूचना सिद्धांत । माडुलन तथा संसूचन प्रक्रियाएं । विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियां । रेडियो तथा लाइन संचार । दूरदर्शन तथा रेडार । संचार सहाय, अनुगामी संचार सिद्धांत

5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी :

सूक्ष्म-तरंग स्रोत । सूक्ष्म-तरंग घटक तथा जाल मापन तथा सूक्ष्म-तरंग आवृत्तियां । सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालियां ।

परिशिष्ट-2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

[ये विनियम उम्मीदवारों की भुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) को मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है । तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता । किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड

को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुमति कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी ।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा ।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दाखल हाजिर न हो जिससे नियुक्ति के बाद दसतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने का संभावना हो ।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छाड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों के परीक्षा में भागदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए । यदि वजन, कद और छाती का घेरा आवश्यकता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए । ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा ।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

| सेवा का नाम | कद | छाती का फैलाव |
|-------------|----|--------------------|
| | | घेरा (पूरा फुलाकर) |

रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल और यांत्रिक और सिग्नल) और के० लो० नि० वि० में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केन्द्रीय विद्युत 'जी-नियरी सेवा ग्रुप 'क'

(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए 152 सें०मी० 84 सें०मी० 5 सें०मी०

(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए 150 सें०मी० 79 सें०मी० 5 सें०मी०

अवसृष्ट अवकाशियों तथा अन्य जाति के उम्मीदवारों, दल-वाणियों, असभियों, मागलण्ड के शक्तिवाधियों आदि जिनका शरीर कद स्पष्टतः ही कम होता है; के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है ।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं, ग्रुप 'क', भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क' (तथा कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' और ग्रुप 'ख') के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 सें०मी० के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी ।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा।

वह अपने जूते उतार देगा और आप दण्ड (स्टैण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े हों और उसका वजन, सिवाय एडियों के पाँवों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अफड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियाँ, पिंडलियाँ, नितम्ब और कंधे आपस में सटा लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का तजर (बैकवर्ड) आपकी हेड लेयल (एरिजेंट) बार (आई डू) नीचे आए। कद सेण्टीमीटरों और आधे सेण्टीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके हाथ जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठें हों। फीते की छाती के गिरे इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा अस्फल (शोल्डर ब्लेण्ड) के निम्न कोणों (इंफोरियर एंगलस) के पीछे लगा रहे और वह फीते की छाती के गिरे से जाने पर उसी आधे समतल (एरिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार जहूरा साँस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी में ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेण्टीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप को रिकार्ड करते समय आधे सेण्टीमीटर से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान :—शक्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापा जाना चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की तजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आँखा, पलकों अथवा साथ लगी सरचनाओं (काण्टिगुअस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि-तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी) —दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की तजर के लिए और दूसरी तजर की तजर के लिए प्रत्येक आँख को अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आँख की तजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इसकी आवश्यकता के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और तजर की तजर का मानक निम्नलिखित होगा:—

| सेवामें | दूर की दृष्टि | | तजर की दृष्टि | |
|---------|---------------------|------|---------------------|------|
| | अच्छी | खराब | अच्छी | खराब |
| | आँख | आँख | आँख | आँख |
| | (ठीक की हुई दृष्टि) | | (ठीक की हुई दृष्टि) | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |

क. तकनीकी

1. रेल इंजीनियरी सेवाएं (सिविल विद्युत यांत्रिक और सिग्नल)।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप के केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप के भारतीय त्रिरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'

केन्द्रीय जन इंजीनियरी 6/6 अथवा 6/12जेI

जेII

सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय शक्तियाँ इंजीनियरी

सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय 6/9 6/9

इंजीनियरी सेवा (सड़क)

ग्रुप क तथा तार इंजीनियरी

सेवा ग्रुप क, सहायक कार्य-

पालक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत)

ग्रुप क (भारतीय दूरसंचार इंजीनियरी स्कंध)

आई० डब्ल्यू० पी० एण्ड

सी० स्कंध अनुश्रवण संग-

ठन, संचार मंत्रालय में

इंजीनियरी का पद

भारतीय प्रसारण (इंजी-

नियर) सेवा, भारतीय

नौसेना, आयुद्ध सेवा में

भारतीय आयुद्धशाला सेवा

ग्रुप क, सीमा सड़क इंजी-

नियरी सेवा, ग्रुप 'क'

सहायक इंजीनियर ग्रुप

'ख' आकाशवाणी का

सिविल निर्माण स्कंध।

सहायक विकास अधिकारी

(इंजीनियरी) का पद,

तकनीकी विकास सहा-

यिदशालय।

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--|------------|-------------|-----|------|
| 3. सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप क तथा कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' ग्रुप 'ख' ख. गैर तकनीकी | 6/6 6/9 | 6/18 6/9 | जेI | जेII |
| 4. भारतीय रेल भंडार सेवा भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' बर्मा इंजी- नियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' तथा यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' | 6/9 | 6/12 | जेI | जेII |

टिप्पणी (1) :

(क) उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में मियोपिया (सिलेंडर सहित) का कुल परिणाम-4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेंडर सहित) का कुल परिणाम +4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। किन्तु शत यह है कि "तकनीकी" रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अलावा) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई मियोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नेत्र विज्ञानियों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मियोपिया रोगात्मक है या कि नहीं यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धित अपेक्षाएं पूरी कर दें।

(ख) मियोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिए और उसके नतीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की कोई रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

टिप्पणी (2) :

तकनीकी विकास महानिदेशालय में भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के और सहायक विकास अधिकारी इंजीनियरी के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्ण-दर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण-अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैटर्न में द्वांरक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो:-

| ग्रेड | वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड | वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड |
|--------------------------------------|---------------------------------|----------------------------------|
| 1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी | 16' | 16' |
| 2. डाक (एपर्चर) का आकार | 1.3 मि० मीटर | 13 मि० मीटर |
| 3. दिखाने का समय | 5 सेकंड | 5 सेकंड |

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल वैद्युत सिग्नल और यांत्रिक) और जन सुरक्षा से संबंधित अन्य सेवाओं के लिए ऊंचे ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए:-

सेवाओं/पदों के वर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है नीचे दिए जा रहे हैं :-

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्च ग्रेड का वर्ण-दर्शन अपेक्षित है:-

- (1) रेल इंजीनियरी सेवा
- (2) सैन्य इंजीनियरी सेवा
- (3) सड़क केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा
- (5) सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) (डाक-तार) दूर संचार कारखाना संगठन
- (6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'
- (7) कर्मशाला अधिकारीय ग्रुप 'क' तथा ग्रुप 'ख' तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्न ग्रुप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :-

- (1) केन्द्रीय जैनियरी सेवा
- (2) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय नौ सेना आयुद्ध सेवा का ग्रेड
- (4) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा
- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) ग्रुप 'क', (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) क्लास 1 डाक-तार
- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान
- (8) 'जैनियर ग्रुप 'क' बतार आयोजन और समन्वय स्कन्ध अनुश्रवण संगठन।
- (9) सहायक इंजीनियर (सिविल, वैद्युत) ग्रुप 'ख' आकाश-वाणी का सिविल निर्माण स्कन्ध।

लाल हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिच-किटाहट के बिना पहचान लेना सन्तोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण-दर्शन की परीक्षा के लिए इशियारा की प्लेटों तथा एडरिजमीन को लैटर्न-दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी जब ऐसी जांच कानूनी या असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (परामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौंधी या अन्धेरे में दिखाई देने की जांच करने के लिए

कोई स्टैण्डर्ड टेस्ट निर्दिष्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट पर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतौंधी सम्बन्धी परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएं (आवयलर कण्डीशन)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अवर्तन त्रुटि (रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भंगापन—ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है, भंगापन अयोग्यता माना जाएगा। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भंगापन अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्टि कमजोर है या उसकी दृष्टि उपसामान्य है तो इसका सहज प्रभाव यह होता है कि गहनता अध्ययन के लिए उनके पास त्रिविम दृष्टि की कमी है। कई शिथिल पदों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुशंसा कर सकता है बशर्ते कि उसी सामान्य आंखः—

- (1) को चश्मा लगाकर या चश्मे के बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि जो बशर्ते किसी मेरीडियन में दूर दृष्टि सम्बन्धी दोष 4 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।
- (2) का दृष्टि-क्षेत्र पूर्ण हो।
- (3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु योर्ड सन्तुष्ट हो कि उम्मीदवार सन्दर्भगत कार्य विशेष सम्बन्धित सभी कार्रवाई कर सकता है।

“तकनीकी” के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का शिथिल किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—फ्लान्टेक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को फ्लान्टेक्ट लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट कन्डल की प्रदीप्ति जैसी हो।

टिप्पणी (9)—सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारणवश किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नामर्ल मेक्जीम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार हैः—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+मायु होता है।
- (2) 25 वर्ष की ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+आधी आयु का सामान्य विनियम बिलकुल सन्तोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान: सामान्य नियम के रूप में 140 एम०एम० से ऊपर मिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम०एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्स-रे और इलेक्ट्रोकार्डिया-ग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित पारे वाले दाबमापों (मरकरी मैनीमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हों। बांह थोड़ी बहुत हारि-जैन्टल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कंधे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बांह धमनी (ब्रेकिअल आर्टरी) को दबा दबा कर ढूँढा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथ-स्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम०एम० एच० जी० हवा भरी जाती है। और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की कर्पिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई

लुप्त प्रय हो जाए तो डायमेटालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफ़ी थोड़ी श्रवण में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती है। इस "साइलेन्ट गैप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मधुमेही (नान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस की मेडिकल के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेन्स टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। श्रवण के प्रभाव को समाप्त करने के लिए, यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद अयोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो यह उपलब्ध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा

अन्य रेल सेवाओं, मना इंजीनियरी सेवा, भारतीय दूर संचार सेवा, ग्रुप 'क' केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और सीमा सड़क इंजीनियरी की सेवा ग्रुप 'क' पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है:—

| 1 | 2 | 3 |
|--|---|---|
| (1) एक कान में प्रकट श्रवण पूर्ण बहुरापन दूसरा कान सामान्य होगा। | यदि हायर फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य। | |
| (2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण यंत्र हियरिंग (एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। | यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य। | |
| (3) सेंट्रल श्रवण मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मम्ब्रेन का छिद्र | (1) एक कान सामान्य ही दूसरे कान में टिमपेनिक मम्ब्रेन का छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा से स्थिति सुधरने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के प्रचीन विचार किया जा सकता है। | |
| | (2) दोनों कानों से मार्जिनल या एडिंग छिद्र होने पर अयोग्य। | |
| | (3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य। | |
| (4) कान के एक ओर (दोनों ओर) से मस्टायड केबिटी के सब नार्मल श्रवण | (1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य। | |

| 1 | 2 | 3 | |
|--|---|--|--|
| | | (2) दोनों ओर से मस्टायड केब्रिटी तक की काम के लिए अयोग्य। किसी भी काम की श्रवणता श्रवण यंत्र लगा कर अथवा बिना लगा सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य। | (इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं। |
| (5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/ बिना आपरेशन वाला | | तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य। | (च) उसे रपचर है या नहीं। |
| (6) नास पट की हड्डी सम्बन्धी विषमताओं (बोनी डिफॉर्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा | (1) प्रत्येक मामले के परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। | (2) लक्षणों सहित नासपटु बिचलन विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य। | (छ) उसे हार्डिड्रोसिल, स्फीन शिरा या घवासीर तो नहीं है। |
| (7) टोंसिल्स और या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशाएं। | (1) टोंसिल और/या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य। | (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो जा अस्थायी रूप से अयोग्य। | (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं। |
| (8) कान, नाक, गले ई० एन० टी० के हफ्के अथवा अपने स्थान पर मेलिगेनेट ट्यूमर | (1) हल्का ट्यूमर—अस्थायी रूप से अयोग्य। | | (झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी नहीं है। |
| (9) आटोसाइड किलरीसिस | (2) मेलिगेनेट ट्यूमर—अयोग्य आपरेशन के बाद या श्रवण यंत्र की सहायता से श्रवणता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य। | | (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है। |
| (10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष | (1) यदि काम काज में बाधक न हों—योग्य। | (2) यदि भारी मात्रा में हफ-लाइट हो—अयोग्य। | (ट) उसके किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमजोर गठन का पता लग सके। |
| (11) नेजलपीजी | | अस्थायी रूप से अयोग्य। | (ठ) उसके शरीर पर टीके के निशान हैं। |
| | | | (ण) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग नहीं है। |

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात नहीं सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नौकरी करने के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वास्थ्यता या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपर्युक्त विशेष की सलाह ले सकते हैं जो यदि कोई उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार से पीड़ित है, तो बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकास विज्ञानी/मनो-विज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा ड्यूटी के अपेक्षित दक्षतापूर्वक निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा निर्धारित रीति से 50/- रु० का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिन्हें अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जस्त कर लिया जाएगा। उम्मीदवार को अपनी अपील के साथ किसी रजिस्टर्ड डाक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करके विशेषतौर पर यह उल्लेख करना चाहिए कि उम्मीदवार को चिकित्सा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किए जाने की उसे जानकारी है। जब उम्मीदवार स्वयं चिकित्सा बोर्ड के सामने उपस्थित हों तो उनके पास इस प्रमाण पत्र की प्रति अवश्य होनी चाहिए। उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपनी अपील प्रस्तुत कर देनी चाहिए अन्यथा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मेडिकल बोर्ड की अवस्था उम्मीदवार के खर्च पर की जाएगी। अपीलीय

(ख) वह बिना सहायक बोल लेवा/निनी है।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर तकली दांत लगे हैं या नहीं।

(अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती काफी फैलती है या उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं।

मेडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा के संबंध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा अपीलवीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही सभी की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

13. अपीलवीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अन्तिम होगा और उसके विरुद्ध कोई अपील नहीं होगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है।

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए अपनाए जाने वाली स्टैण्डर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल यदि कोई हो), के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अथॉरिटी) को यह तमस्वी नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी रचना, संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (वाइली इनफैमिटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गया हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर भी समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वाकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक माना गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जाएगा।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड में जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहाँ मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी

मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सजिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जबकि वह खराबी दूर हो जाए तो सम्बद्ध प्राधिकारी एक-दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि माघारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

पुनः चिकित्सा परीक्षा को प्रथम चिकित्सा परीक्षा का भाग माना जाएगा और उम्मीदवार यदि ऐसा चाहे, तो निर्णय के विरुद्ध अपील कर सकते हैं।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाता है :—

1. अपना पूरा नाम लिखें

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें।

2. (क) क्या आप ऐसी जाति से जैसे गोरखा, गढ़वाली, अलभी, नागालैण्ड, आदिवासी आदि में से किसी से संबंधित है जिनका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है। 'हाँ' या 'नहीं' उत्तर दीजिए। उत्तर हाँ में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

3. (क) क्या आपको कभी चेषक रक्त-रक्त कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार ग्रथियाँ (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा; दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रिह्युमेजिटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सजिकल इलाज किया गया हो हुई है ?

4. क्या आपको अधिक काम या किराी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वमनेस) हुई ?

5 अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित स्थिति दें —

| यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था | मृत्यु के समय आप कितने पिता की आयु और मृत्यु का कारण | आपकी भाईयों की मृत्यु हो चुकी है उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था | आपकी भाईयों की मृत्यु हो चुकी है उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण |
|---|--|--|---|
|---|--|--|---|

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

| यदि माता जीवित हों तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था | मृत्यु के समय आपकी कितनी माता की आयु और मृत्यु का कारण | आपकी कितनी बहिन जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था | आपकी कितनी बहिनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण |
|---|--|---|--|
|---|--|---|--|

| 5 | 6 | 7 | 8 |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

6. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हो तो बताइए किस मेवा/किन सेवाओं से पद (पदों) के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

9. मेडिकल बोर्ड कब तक और कहाँ था?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो?

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गए सभी जबाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जान बूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति को बैठने का जांचिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वाधक नियुक्ति भत्ता (सुपरएनुएशन ग्रांट) का अनुतोषित (प्रेशुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) (उम्मीदवार का नाम)

को शारीरिक परीक्षा से सम्बद्ध मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास :— माधारण
कम
पोषण : पतला मोटा
कद (जूते उतार कर) वजन
अत्युत्तम वजन कब था

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान

छाती का घेर

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा — — — — — कोई प्रत्यक्ष बीमारी — — — — —

3. नेत्र — — — — —

(1) कोई बीमारी — — — — —

(2) रतींधी — — — — —

(3) वर्ण दर्शन संबंधी दोष — — — — —

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) — — — — —

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी) — — — — —

(6) फंडस की जांच — — — — —

चश्मे की प्रबलता

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे के बिना चश्मे के साथ

रहूँगी ० सिविल ० एक्सस ०

दूर की नजर दा०ने० बा०ने०

पास की नजर दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने० बा०ने०

(ख) बल्ल प्रेशर—मिस्टालिक—

हायस्टालिक—

9. उदर (पेट) :—धर—स्पर्शसूक्ष्मता
(टेण्डरनेस)

हृनिया—

(क) स्पष्ट यकृत—
तिरुली—

द्यूमर—

(ख) रक्तताश—
भगन्दर—10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक
अक्षमता का संकेत11. चलन तंत्र (ला मोटर सिस्टम) को अपसामान्यता
.....12. जनन मंत्र तंत्र (जेनिटी यूरीनरी सिस्टम) : डाइग्रे-
सील, बरिकासील आदि का कोई संकेत। मूल विशेषण
(क) कसा बिछाई पड़ता है ?

(ख) विशिष्ट गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) ऐल्ब्यूमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एकसरे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे
वह उस सेवा से सम्बद्ध जिसका वह उम्मीदवार है,
ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो
सकता है ।नोट :—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह
या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो, उसे विनियम
9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर
दिया जाएगा ।15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं
में सम्बद्ध ड्यूटी के दक्षतापूर्वक, तथा लगातार
निष्पादन के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है और
किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है ? क्या
उम्मीदवार अक्षमता सेवा के लिए योग्य है ?नोट—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी
में रिकार्ड करना चाहिए :

(1) योग्य (फिट).....

(2)के कारण अयोग्य (अनफिट)।

(3)के कारण अयोग्य (अन-
फिट) ।

| | | | | |
|---------|---|---|---|---|
| स्थान | . | . | . | . |
| तारीख | . | . | . | . |
| अध्यक्ष | . | . | . | . |
| सदस्य | . | . | . | . |

परिशिष्ट—III

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के
परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है ।1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल विद्युत
इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियर सेवा, भारतीय
रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा ।(क) परीक्षा :—इन सेवाओं के लिए भर्ती किए गए
उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो
वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यून-
तम एक वर्ष के लिए परीक्षा पर रहना होगा । यदि उक्त प्रशि-
क्षण को संतोषजनक रूप से पूरा करने के कारण किसी स्थिति
में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़े तो तदनुसार परीक्षा की
कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी । परीक्षा की अवधि के दौरान
भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक रही पाया गया
तो सरकार द्वारा परीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकतानुसार
बढ़ाया जा सकता है ।(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परीक्षाधीन अधिकारियों को
सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार
दो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा । उन्हें इस अवधि
के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना
होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय
पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए ।

(ग) नियुक्ति की समाप्ति :—

(1) परीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से
किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का
लिखित नोटिस देकर परीक्षाधीन अधि-
कारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है ।
किन्तु विधान के अनुच्छेद 311 के खण्ड (2)
के उपबन्धों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक
कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्तगी
और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं
शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा
निवृत्ति या मायलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक
नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवाएं
समाप्त करने का अधिकार है ।(2) यदि सरकार को राय में किसी परीक्षाधीन
अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक
है या उसके कार्य कुशल बनने की सम्भावना न
हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर
सकती है ।(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण करने पर सेवाएं समाप्त
की जा सकती हैं । परीक्षा की अवधि के दौरान
अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न
करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता
है ।

(घ) स्थाईकरण:—परिवीक्षा की अवधि की सन्तोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और द्वितीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिये सभी दृष्टियों से योग्य समझे जाने पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतन मान में स्थाई कर दिया जायेगा।

(ङ) वेतनमान:—

(1) कनिष्ठ वेतनमान —र० 2200-75-2800 र० री०-100-4000।

(2) वरिष्ठ वेतनमान —र० 3000-100-3500-125-4500।

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड —र० 3700-125-4700-150-5000।

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—र० 5900-200-6700।

इसके अतिरिक्त र० 5900 तथा र० 8000 के वेतन के बीच के सुपरग्राइड वेतनमान वाले पद भी जिनके लिये उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन से प्रारम्भ करेगा तथा उसे समय वेतनमान में अवकाश पेंशन तथा वेतन वृद्धियों के लिये परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को गिनने की अनुमति होगी।

महंगाई तथा अन्य भत्ते भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोकता या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण व्यय लौटाना:—यदि किसी ऐसे कारण से जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के निष्पक्ष से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अवकाश अवकाश से अपना भाग वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गये प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिये परिवीक्षाओं से एक बन्ध-पत्र की अपेक्षा की जायेगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्त प्रस्ताव के साथ संलग्न की जायेगी। किन्तु जिस परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्ति हेतु परीक्षा के लिये आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना पड़ेगा।

(छ) छुट्टी:—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा सुविधा:—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट:—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन:—उक्त सेवा के लिये भर्ती किये गये उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिये भर्ती किये गये उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व:—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किये गये परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा:—

किन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

और

केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिये परिवीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित दिनांक पर परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा सन्तोषजनक रूप से पूरा करने पर यदि स्थाई पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थाई करने का कार्य करते रहने पर विचार किया जायेगा। परिवीक्षा की अवधि के अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थाई/नियोजन/वरकरारी के उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाये कि अधिकारी स्थाई नियुक्ति वरकरारी के लिये उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) जैसा कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क में नियुक्ति सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर

लेने के बाद अगले छेवें ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति में पावे होंगे अर्थात् रिक्तियां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्वया योग्य पाये जाएंगे।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्रगत दस विभिन्न प्रकार हैं:—

| पद | वेतनमान |
|--|----------------------------|
| (I) नॉनप्लेसमेंट समय वेतनमान (सहायक रु० 2200-75-2800-कार्यपालक इंजीनियर) | रु० 100-100-4000 |
| (II) वरिष्ठ समय वेतनमान कार्यपालक इंजीनियर) | रु० 3000-100-3500-125-4500 |
| (III) नॉनप्लेसमेंट प्रशासनिक ग्रेड (अधीक्षक इंजीनियर) क. सामान्य ग्रेड | रु० 3700-125-4700-150-5000 |
| ख. चयन ग्रेड | रु० 4500-150-5700 |
| (IV) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चीफ इंजीनियर) | रु० 5900-200-6700 |
| (V) सुपर टाइम स्केल अपर महाविदेशक | रु० 7300-7600 |
| महा विदेशक (डब्ल्यू०) | रु० 8000 नियत |
| (ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलेक्ट्रिकल और यांत्रिक तथा वास्तु इंजीनियरों के लिये समान है।) | |

नोट:— जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अथवा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन 1 फ० आर० 22 (बी) (1) के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

(ड) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) और केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप।

1. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार के) जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, संस्था तथा अनुसन्धान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित है, आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख रखाव के कार्य पर लगाये जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते करते पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुँच जाते हैं।

2. केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत घटकों के जिसमें विद्युत संस्थान इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा पावर हाउस, वातानुकूल तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख रखाव आदि सम्मिलित है। आयोजन, अभिकल्प, निर्माण और रख रखाव में कार्य पर लगाये जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते करते वे पदोन्नति होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुँच जाते हैं।

3. सेवा इंजीनियर सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा। परिवीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित विभाग तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ सकती है। यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असन्तोषजनक रहा है या ऐसा आभास होता है कि उसको कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है अथवा यदि परिवीक्षा क्षीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण सन्तोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्य मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवार को दो वर्षों की परिवीक्षा की अवधि के दौरान एम० ई० एम० प्रोसीजर सुपरिटेण्डेंटस पी० आर० एण्ड ई० एम०/ग्रेड-1, एग्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राज्ञ (मैट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो मण्डल सेवा में कमीशन प्राप्त है। अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये कार्य करना होगा किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को:—

- (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और
 - (ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (II) उम्मीदवारों पर एम० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जायेगी।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं:—

| | |
|---------------------------------------|-------------------------------------|
| सहायक कार्यकारी इंजीनियर | र० 2200-75-2800- द० रो० 100-4000 |
| सहायक निर्माण सर्वेक्षक | |
| कार्यकारी इंजीनियर | र० 3000-100-3500-125 |
| निर्माण सर्वेक्षक | 4500। |
| अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड) | र० 3700-125-4700- |
| अधीक्षक निर्माण | 150-5000। |
| सर्वेक्षक (साधारण ग्रेड) | |
| अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) | र० 4500-150-5700 |
| अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (चयन ग्रेड) | |
| उप मुख्य इंजीनियर | र० 3700-125-4700- 150-5000 |
| मुख्य इंजीनियर (स्तर-II) | र० 5100-150-5700 |
| सुनिश्चित मर्ण सर्वेक्षक (स्तर-II) | |
| मुख्य इंजीनियर (स्तर I) | र० 5900-200-6700 |
| मुख्य निर्माण सर्वेक्षक (स्तर-I) | |

4. भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा ग्रुप का

(क) चुने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किये जाएंगे। सरकार महानिदेशक, आयुद्ध कारखाना अध्यक्ष आयुद्ध कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर परीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। परीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथाविहित विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। भाषा के परीक्षण का हिस्सा में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी की उसकी नियुक्ति पर स्थगित कर दिया जायेगा। किन्तु परीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असन्तोष-

जनक रहा है या सरकार उसका कार्यभार कर सकती है है या उसकी परीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो मण्डल सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिये कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ii) उम्मीदवारों पर एम० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उन में निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जायेगी।

(ग) वेतन प्राप्त दरें निम्न प्रकार हैं:—

| | |
|---|---------------------------------|
| कनिष्ठ समय वेतनमान | र० 2200-75-2800 द० रो० 100-4000 |
| वरिष्ठ समय वेतनमान | र० 3000-100-3500-125-4500 |
| कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड सामान्य ग्रेड | र० 3700-125-4700-150-5000 |
| कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) | र० 4500-150-5700 |
| वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड | र० 5900-200-6700 |
| वरिष्ठ जनरल मैनेजर | र० 7300-100-7600 |
| अतिरिक्त महानिदेशक, आयुद्ध कारखाना/सदस्य, आयुद्ध कारखाना बोर्ड। | र० 7300-200-7500-250-8000 |
| महानिदेशक आयुद्ध कारखाना/सदस्य आयुद्ध कारखाना, बोर्ड | र० 8000 |

टिप्पणी:—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्रावधिक पद के अलावा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का० जा० सं० 15(6)/64/डी० (एनाइन्टमेंट्स)/1051/डी० (सी० 4/1), दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जायेगा।

(घ) परीक्षाधीन अधिकारियों को मंसूरी/नागपुर में फाउण्डेशन कोर्स करना होगा।

- (ङ) इस प्रकार भर्ती हुए परीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्रारम्भ करने से पहले एक बन्ध-पत्र भरना होगा।

5. भारतीय दूर संचार ग्रुप क

- (क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परीक्षा पर की जायेगी। सरकार की राय में परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण यदि असन्तोषजनक है या उससे यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परीक्षा अवधि पूरी हो जाने पर सरकार, यदि स्थाई रिक्तियाँ उपलब्ध हुईं, उस वक्त नियुक्ति पर स्थायी बना सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असन्तोषजनक रहा है तो सरकार उस सेवा मुक्त कर सकती है या जितनी ठीक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनको स्थायी किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

- (ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

- (ग) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षण नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए, किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्धित पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

- (घ) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान रु० 2200-75-2800-द० रो०-100-4000

वरिष्ठ वेतनमान रु० 3000-100-3500-125-4500

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु० 3700-125-4700-150 5000

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) रु० 4500-150 5700

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 5900-200-6700 5-471 GI/87

नोट:—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थाई पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उनका वेतन एफ० ग्रा० 22 वी (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जायगा।

भारतीय दूरसंचार सेवा ग्रुप क के कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु० 2350 या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा। जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर ले।

- (ङ) भारतीय दूरसंचार सेवा ग्रुप के पदों से सम्बन्धित कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

सहायक डिबीजन इंजीनियर टेलीग्राफ

सहायक डिबीजन, इंजीनियर टेलीग्राफ, टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब डिबीजन, कैरियर, बी० एफ० टी०, कोक्समल, माइक्रोवेव, लॉग डिस्टेंस, इलेक्ट्रिक तथा वायरलेस के इन्चार्ज होंगे और सामान्यतः डिबीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार निर्माण के संस्थापन संरचना करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

डिबीजनल इंजीनियर

डिबीजनल इंजीनियरों को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिबीजनल जिसमें लॉग डिस्टेंस, कोक्समल, माइक्रोवेव मेन्टिनेन्स डिबीजन तथा वायरलेस डिबीजन शामिल है, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपकरणों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिबीजनल में रह करके कार्य करें। जब डिबीजनल इंजीनियर परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यूनिट में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सकल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परिसम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थाओं के प्रशासन तथा आयोजन के लिए, दूर संचार प्रणालियों प्राप्ति में अनुसन्धान और विकास के लिये जिम्मेदार है। वे माइनर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, दूर संचार सकल, प्रादि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सकल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सकल दूर संचार अनुसन्धान क्षेत्र का प्रधान, जो कार्यभार में उसका पूरी तरह से प्रबन्ध व प्रशासन करने के लिये जिम्मेदार डाक तार बोर्ड में उप महानिदेशक, डाक तार बोर्ड की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करता है। निवेश, दूर संचार अनुसन्धान केन्द्र और अतिरिक्त निदेशक, दूर संचार अनुसन्धान केन्द्र के अनुसन्धान सम्बन्धी समग्र कार्यकलापों के लिये जिम्मेदार हैं।

6. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक/निदेशक सहायक कार्यपालक इंजीनियरों के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परिवीक्षा की उपर्युक्त अवधि या बढ़ी हुई अवधि जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थाई नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार सन्तुष्ट हो जाये कि वह स्थाई नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण तथा परीक्षण का ऐसा कोई कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परिवीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को, यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई दिखाई गई अवधि यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत का रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा; किन्तु उन व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा;

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति अधिकारी निर्धारित शर्तें पूरी करने के बाद उप निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड) निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड) मुख्य इंजीनियर (स्तर—II) मु० ई० (स्तर—I) में सदस्य/अध्यक्ष, सी० डब्ल्यू० सी० के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप 'क' के लिये वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद) :

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर—

₹० 2200-75-2800-द०रो०—100-4000।

2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर—₹० 3000-100-3500-125-4500।

3. अधीक्षण इंजीनियर निदेशक (साधारण ग्रेड)—₹० 3700 125-4700-150-5000।

4. निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)—₹० 4500-150-5700।

5. मुख्य इंजीनियर—₹० 5900-200-6700।

6. सदस्य, सी० डब्ल्यू० सी०/अध्यक्ष, जी० एफ० सी० सी०—₹० 7300-100-7600।

7. अध्यक्ष, सी० डब्ल्यू० सी०—₹० 8000 (नियत)

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।
सहायक निदेशक (सिविल और यांत्रिक)

सिंचाई, नौसंचालन, विद्युत घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु, जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिये आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा अभिकल्पना।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उनको आवंटित उपमण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभा के अधीन रोकड़ तथा भण्डारों का लेखा-जोखा रखना होगा तथा परोक्ष रूप से उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिये कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन भाप बहियों मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रखी रखाव के लिये जिम्मेदार होंगे।

7. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

(1) संगठन का विवरण

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3)(1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के सम्बन्ध में योजना अभिकरणों के कार्यकलापों के समन्वय करने के लिए एक सुदृढ़, पर्याप्त और एकरूप विद्युत नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण वितरण और विद्युत आपूर्ति का उपयोग) की संभाव्यता तकनीकों विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित करने के लिये केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि ये योजनाएँ राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिये उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के अनुरूप होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

₹० 2200-400 के वेतनमान में सहायक निदेशक सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में साठ प्रतिशत पद संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे किन्तु जहां आवश्यक हो वहां सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकते हैं जैसा वह उचित समझे।

परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा अनुदेश का पालन करना होगा तथा ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाये।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा; और
- (ख) समान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर नियुक्त अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा नियमावली, 1965 में निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद ऊंचे ग्रेडों अर्थात् उप-निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड), निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड), उपमुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं बशर्ते कि सम्बद्ध ग्रेड में रिक्तियां उपलब्ध हों।

(4) वेतनमान

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत यांत्रिक और दूर संचार से सम्बद्ध पद

| क्रम भं० | पद का नाम | वेतनमान |
|-------------|---------------------------------------|-------------------------------------|
| 1. | सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर | ₹० 2200-75-2800- ₹० २००-100-4000 |
| 2. | उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर | ₹० 3000- 100- 3500- 125- 4000 |
| 3. | निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर | ₹० 3700-125- 4700-150-5000 |
| 4. | उप मुख्य इंजीनियर | ₹० 4500-150-5700 |
| 5. | मुख्य इंजीनियर/सदस्य-सचिव | ₹० 5900-200-6700 |

नोट—सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रेड से उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति होने पर वेतन नियतन के प्रयोजनार्थ इस सेवा के सदस्यों के लिए चतुर्थ वेतन आयोग की अनुशंसाओं पर अपनाई गई समनुक्रमणिक सारांशियां लागू हैं।

(5) कर्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार हैं :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से सम्बद्ध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और परस्पर सम्बन्ध। उन्हें इनसे सम्बद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना संचालन अनुरक्षण तथा विद्युत योजनाओं, परियोजनाओं की अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनकी संरचना तथा वितरण/विद्युत प्रणालियों को पारियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उप मंडल या उनको आबंटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

8. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद :—

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बर्मा, इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (ग्रुप क पद) पदों पर अस्थायी आधार पर भर्ती किए गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किये गये कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विविधा पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है उन्हें क्रमशः ₹० 2200-75- 2500-₹० २००-100-4000 के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा। संतोषजनक रूप से उनकी परीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त किये गये व्यक्तियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) या यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाये जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है :—

| | |
|--|-------------------------------------|
| (क) बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) के लिए | ₹० 2200-75-2500- ₹० १००-100-4000 |
| (1) बरमा इंजीनियर (वरिष्ठ) | ₹० 3000-100- 3500-125-4500 |
| (2) निदेशक (बरमा) | ₹० 3700-125-4700 150- 5000 |
| (3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा) | ₹० 5900-200- 6700 |
| (ख) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क | ₹० 2200-75-2500 ₹० १००-100-4000 |
| (1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ) | ₹० 3000-100-3500- 125- 4500 |
| (2) निदेशक (यांत्रिक इंजीनियरी) | ₹० 3700-125-4700- 150- 5000 |
| (3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा) | ₹० 5900-200- 6700 |

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किये गये अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता।

नोट—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीवत हैसियत से किसी आबधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर है; एफ० आर० 22-ख (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जायेगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ)

बरमा वाहनों और अन्य उपकरणों का अनुरक्षण तथा मरम्मत, विविध क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिए

डाइवरों तथा वाहनों का आबंटन पी० एस० एल० अंकों तथा अभिलेखों, लॉग बुक, इतिवृत्तियों की संवीक्षा तथा अनुरक्षण।

बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ)

कोर रिकवरी का इष्टतम प्रतिशत सुनिश्चित करते हुए एक या अधिक ड्रिलिंग रिगों से खनिज अन्वेषण के संबंध में छेदन कार्य करना। सरकारी भण्डारों और उसको सौंपे गये हम्प्रेस्ट को ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिए लगाई गई मशीनरी और वाहनों का समारक्षण। भण्डारों तथा रोकड़ लेखों को रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग का देखना।

9 इंजीनियर (ग्रुप क) वायरलैस, योजना और समन्वय

स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार, मंत्रालय:—

(क) वेतनमान ₹० 2200-75-2800-₹० १००-100-4000।

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियर के पदधारी सहायक वायरलैस सलाहकार, वायरलैस योजना और समन्वय स्कन्ध। इंजीनियर प्रभारी अनुश्रवण संगठन (वेतनमान ₹० 3000-100-3500-125-4500 तथा सहायक वायरलैस सलाहकार को पद के लिए ₹० 100 प्रतिमास विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों के 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हैं। सहायक वायरलैस सलाहकार/इंजीनियर प्रभार के ग्रेड में उनकी पदोन्नति ग्रुप के पदों के लिए संगठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी।

सहायक वायरलैस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलैस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलैस सलाहकार (वेतनमान ₹० 3700-125-4700-150-5000) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के पात्र हैं। उप वायरलैस सलाहकार के ग्रेड में रिक्तियां ग्रुप के पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती हैं।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु तथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या

भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को —

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—

- (1) इन्स्यू० पी० सी० स्कन्ध/वायरलेस मानीटरन संगठन के विभिन्न एककों के कर्मचारियों का पर्यवेक्षण, निर्देशन तथा प्रशिक्षण।
- (2) सम्पूर्ण रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा विभिन्न प्रकार के उत्सर्जन को आवृत्ति करने वाली रेडियो आवृत्ति मानीटरन में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के विभिन्न वर्गों, एंटीना तथा सहायक उपकरणों का प्रतिष्ठापन, अंशशोधन, परीक्षण तथा अनुरक्षण।
- (3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियो संचार सेवाओं के लिए विभिन्न प्रयोक्ता विभागों/संगठनों के वायरलेस प्रतिष्ठानों का अनुशासन एवं निरीक्षण।
- (4) रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा तुल्यकाली उपग्रह कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय से सम्बद्ध सभी पहलू जिसमें नियतन योजना का निर्माण, संगत तकनीकी मानकों की स्थापना, उपस्कर का प्रकार-अनुमोदन वैद्युत चुम्बकीय व्यवधान/सुसंगति आदि का अध्ययन सम्मिलित हो।
- (5) संयत राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रवर्तन।
- (6) प्रवीणता/रेडियो अव्यवसायी प्रमाणपत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए लाइसेंस जारी करना।
- (7) रेडियो आवृत्ति प्रबन्ध तथा मानीटरन से संबद्ध अनुसंधान तथा विकास कार्य करना।
- (8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ दूर संचार से सम्बन्धित अन्य यथोचित अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों की बैठकों तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रबन्ध करना।

10. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप कः—

(क) चुने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियरी के पद पर दो वर्ष के लिए परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकता है अथवा ऐसे आदेश पास कर सकते हैं जो वह ठीक समझे।

अधिकारियों को स्थायीकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को —

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—

र० 2200-75-2800-र० री०-100-4000

अधीक्षक इंजीनियर—

र० 3000-100- 3500- 125- 4500

अधीक्षक इंजीनियर—

र० 3700-125-4700-150-5000

अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) —

र० 4500-150-5700

मुख्य इंजीनियर (सड़क पुल/यांत्रिक) —

र० 5900-200-6700

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पुल) —

र० 7300-100-7600

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क विकास)/अतिरिक्त सचिव—

र० 7300-200-7500-250-8000

टिप्पणी :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पर हैं एफ० आर० 22-ग (1) के उपबंधों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) पुल ग्रुप क के पद से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सड़क/पुल कार्यों की अभिकल्पना और आकलन तैयार करने की योजना में और राज्यों से ऐसे कार्यों के विवे

प्राप्त प्रस्तावों की संवीक्षा करने में जहाजराती और परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कन्ध के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करने और/या केन्द्रीय मशीनरी के प्रापण तथा अनुरक्षण में।

(11) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में सीधे भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगा।

(1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार घटा या बढ़ा सकता है।

(2) अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाव हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समापन के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्प्रेषित कर दिया जाएगा।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समापन पर अधिकारी को स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त पाए जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा।

(4) यदि परिवीक्षा या बड़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसी पद पर वापस भेज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है।

(5) परिवीक्षा या बड़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को परिवीक्षा के सफल समापन की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथापेक्षित शिक्षण तथा प्रशिक्षण कोर्स पूरे करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे।

(ख) सेवा में नियुक्ति—उक्त सेवा के विभिन्न ग्रेडों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियाँ—जाहूँ वे “आकाशवाणी” में हों या “दूरदर्शन” में हों—नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

(ग) भारत के किसी भाग में सेवा का दायित्व सेवा की अन्य शर्तें—(1) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारियों को भारत के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है। (2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किन्तु ऐसे अधिकारी को—

(क) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक गठन से पहले कार्य ग्रहण की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

उक्त सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों में उन मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके संबंध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है।

ग्राह्य वेतन की दरें निम्न प्रकार हैं :—

| | |
|---|---|
| (i) कनिष्ठ वेतनमान | र० 2200-75-2800- |
| | द० र०-100-4000 |
| (ii) वरिष्ठ वेतनमान | र० 3000-100- |
| | 3500-125-4500 |
| (iii) जे० ए० जी० | र० 3700-125-4700 |
| | 150-5000] |
| (iv) जे० ए० जी० (चयन ग्रेड) | र० 4500-150-5700 |
| (v) एस० ए० जी० | र० 5900-200-6700] |
| (vi) इंजीनियर-इन-चीफ आई० बी० (ई०) एस० ग्रुप-क | र० 7300-100-7600 |
| के कनिष्ठ वेतनमान के पद से सम्बद्ध कार्य तथा उत्तरदायित्व के प्रकार | ब्राडकास्ट, टी० वी० स्टू-डियो और ट्रांसमीटरों का अभिकल्पन, संस्थापन प्रचालन और अनुरक्षण-सहायक इंजीनियरों के कार्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायित्व। |

(12) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल तथा विद्युत) सिविल—निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर होगी।

(ख) (1) पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी का भारत में कहीं भी कार्य करना होगा और किसी भी समय उसका लोक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर, वह निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से शासित होगा।

(2) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा,

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिए निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है को :—

(1) परीक्षा की अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर, (2) अनधीनता असंयम, कदाचार या उस समय सेवा से सम्बद्ध प्रवृत्त नियमावली के उपबन्धों में किसी को भंग करने या अनुपालन करने के लिए, (3) यदि वह डाकटरी रूप से अयोग्य पाया जाता है और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थायी नियुक्तियों के मामलों में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताये बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(घ) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) ₹० 2000-60-2300-द० १०-75-3200-100-3500।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :—

(1) सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) ₹० 3000-100-3500-125-4500 के वेतनमान में कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(2) ग्रेड में कम से कम 7 वर्ष की सेवा रखने वाले कार्यकारी इंजीनियर ₹० 3700-125-4700-150-5000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) उम्मीदवारों के कार्यकाल के दौरान उनकी विभिन्न विभागीय पदों पर पदोन्नति तत्कालीन भर्ती नियमों के अनुसार की जायेगी।

नोट :— सेवा की शर्तों जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश यात्रा भत्ते कार्यायाम समय/कार्यायाम समय वेतन शिक्षित सुविधाएं, यात्रा रियायत, पेंशन और आनुवंशिक नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होंगी जो समान हैसियत के अन्य केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए लागू हों।

(च) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप— अभिकल्पना और आरेखन में कार्य के लिए निर्धारित किए गए मानदण्ड और स्तर के अनुसार कार्यों का निष्पादन करना।

13. भारतीय नौसेना आयुध सेवा

(क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राय में परीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवा-मुक्त किया जा सकेगा।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अधीन होंगे वे समय-समय पर संशोधित फील्ड सर्विस दायित्व नियमावली 1957 के अधीन होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानांतरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण—ग्रुप-क—राजपत्रित

(i) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी ₹० 2200-75-2800-ग्रेड-II द० १०-100-4000

(ii) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी ₹० 3000-100-3500-ग्रेड-I 125-4500

- (iii) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) रु० 3700-125-4700-150-5000
- (vi) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) रु० 4500-150-5700

- (v) निदेशक आयुध आपूर्ति रु० 5900-200-6700

(च) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर—

- (1) उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड—

पाँच वर्ष की सेवा रखने वाले उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं चयन के आधार पर रु० 3000-4500 के वेतनमान में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-1 के पद में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो आई० आई० टी० किरकी में तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाव ली गई हो।

- (2) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप-आयुध पूर्ति अधिकारी (ग्रेड-1) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन किए जाने के आधार पर सं० 3700-5000 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

- (3) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 5 वर्ष की सेवा की हों। उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर 4500-5700 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हों।

- (4) आयुध पूर्ति निदेशक

सम्बद्ध ग्रेड (ग्रेडों) में तीन वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 5900-6700 के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं।

भागले ऊँचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथापूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी अतिरिक्त पद धारण किए हुए थे, एक० द्वार० 22ख(1) के प्रावधानों

तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी० एस० के० और तदनुसंगी अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

- (ज) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड 2 के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

- (1) विविध यांत्रिक इलेक्ट्रानिकी तथा विद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, आशोधन तथा अनु-रक्षण से सम्बद्ध कार्य का प्रस्तुतीकरण आयोजन तथा निवेशन।
- (2) मरम्मत, अनुरक्षण और भोवरहाल के लिए इलेक्ट्रानिक तथा वैद्युत उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।
- (3) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टियाँ तैयार करना।
- (4) आयुध के लिए यांत्रिक इलेक्ट्रानिक तथा वैद्युत अतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।
- (5) आयुध (मिसाइल्स टारपेजिंग माइन्स तथा गन) मापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिक इलेक्ट्रानिक तथा वैद्युत भागों के उप-समुच्चय तथा समुच्चयों का आवधिक अशांकन परीक्षण/जांच।
- (6) फ्लोट तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों को आयुध भंडारण संबंधी सम्यक्तर सहायता प्रदान करना।
- (7) आयुधों के बारे में यांत्रिक, इलेक्ट्रानिक तथा वैद्युत इंजीनियरी से सम्बद्ध सभी मामलों में सम्बद्ध सेवा की तकनीकी सलाह देना।

14 वाक तार सिविल इंजीनियरी स्कंध में सहायक कार्यकारी इंजीनियर

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियाँ परिवीक्षा आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें यथा-निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा। यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियाँ उपलब्ध हुईं तो सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परिवीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाएं। उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ब) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी के अयोग्य होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई हो, तो सम्मिलित है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त।

(ग) प्राप्य वेतन दर निम्न प्रकार है : ग्रुप “ख” सहायक इंजीनियर (सिविल)/(वैद्युत) रु० 2000-60-2300-५० रु०-75-3200-100-3500।
ग्रुप “क”

(1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)/(वैद्युत) रु० 2200-75-2800-५० रु०-100-4000।

(2) कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)/(वैद्युत) रु० 3000-100-3500-125-4500

(3) अधीक्षक इंजीनियर/अधीक्षण निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)/(वैद्युत) रु० 3700-125-4700-150-5000।

(4) मुख्य इंजीनियर (सिविल) रु० 5100-150-5700।

(5) मुख्य इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) रु० 5900-6700।

(घ) डाक तार सिविल स्कन्ध में उक्त पदों से जो कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध है वे नीचे दिए गए हैं :—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक तार सिविल स्कन्ध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाकतार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, वृरभाष केन्द्र भवन, डाकघर भवन, कारखाने, भण्डार तथा प्रशिक्षण केन्द्र सम्मिलित आदि हैं, आयोजन अभिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाए जाते हैं। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

16. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद :—

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

(ख) इस ग्रुप ‘क’ राजपत्रित पद का वेतनमान रु० 2200-75-2800-५० रु०-100-4000 है।

(ग) तकनीकी विकास महानिदेशालय में ऐसे सहायक विकास अधिकारी 3000-100-3500-125-4500 रु० के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा कर ली है। विकास अधिकारी के संवर्ग में 90 प्रतिशत पद पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। विकास अधिकारी रु० 4100-125-4850-150-5300 के वेतनमान में अथवा औद्योगिक सलाहकार के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं। अथवा औद्योगिक सलाहकार रु० 4500-150-5700 के वेतनमान में औद्योगिक सलाहकार के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। औद्योगिक सलाहकार रु० 5900-200-7300 के वेतनमान में उपमहानिदेशक के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। उप महानिदेशक सचिव (तकनीकी विकास) और महानिदेशक (तकनीकी विकास) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति को आवश्यक होने पर किसी भी शिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित, यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) ऐसी नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) चालीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद सामान्यतया या पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उससे सम्बद्ध प्रभागों अर्थात् यांत्रिक इंजीनियरी, औद्योगिक मशीनरी, मशीन प्रोजेक्ट, वैद्युत इंजीनियरी, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी उद्योगों आदि उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

16. ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय में कर्मशाला अधिकारी का पद

(क) ई० एम० ई० कोर में कर्मशाला अधिकारी के पद भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

(ख) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में कहीं भी काम करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्न प्रकार हैं :—

- | | |
|-------------------------------------|---|
| (i) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'क' | र० 2000-60-2300- द० री०-75-3200- 100-3500 |
| (ii) कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' | र० 2200-75-2800- द० री०- 100-4000 |
| (iii) वरिष्ठ कर्मशाला अधिकारी | र० 3000- 100- 3500 125-4500 |
| (iv) कर्मशाला अधीक्षक | र० 3700- 125- 4700- 150- 5000 |
| (v) कर्मशाला अधीक्षक (चयन ग्रेड) | र० 4100-125- 4850- 150-5300। |

(घ) कर्तव्य :—“ए”, “बी” और “सी”, वाहनों, तोप, बायरलैस तथा रेडार उपस्कर व उपकरणों का मरम्मत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारी के रूप में कार्य करना। ई० एम० ई० आर्मी बेस वर्कशॉप/स्टेशन वर्कशॉप में अधिकारी के रूप में कार्य करना और/या स्टाप/ई० एम० ई० (रेजि-मन्ट के अलावा) रोजगार नियुक्तियों में कैप्टन (ई० एम० ई०) के स्थान पर कार्य करना या ई० एम० ई० प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशासकीय कर्तव्यों के साथ-साथ अनुदेशक के रूप में कार्य करना होगा।

(ङ) प्रारम्भ में उक्त पद गैर पेन्शनी है लेकिन स्थायी होने पर ये पद पेन्शनी हो जाएंगे। किन्तु यदि सरकार के अधीन स्थायी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर नियुक्त किया जाता है तो उसे पेन्शन के सारे लाभ मिलते रहेंगे।

(च) उक्त पद के लिए चुने हुए उम्मीदवार फील्ड में सेवा के दायित्व से प्रतिबद्ध हैं, उनका स्वस्थता-स्तर वर्ग 1 (एक) होना चाहिए।

17. भारतीय आपूर्ति सेवा/भारतीय निरीक्षण सेवा

(क) चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर अधिकारियों को स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाने पर स्थायी पदों के उपलब्ध होते ही स्थायी कर दिया जायेगा। सरकार इसे दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा भी सकती है।

यदि परिवीक्षा की उक्त अवधि या उसकी बढ़ी हुई अवधि के समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है तथा परिवीक्षा की अवधि

या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो वह उस अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जो वह जित्त समझे। अधिकारियों को स्थायी होने से पहले हिन्दी में एक विहित परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी।

(ख) इन प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसवे भी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित यदि कोई हो, कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए या किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा;

किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतन की दर निम्नलिखित हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान

सहायक निदेशक (ग्रेड-1)

वेतन र० 2200-75-2800-द० री०-100-4000

वरिष्ठ वेतनमान

उपनिदेशक

वेतन र० 3000-100-3500-125-4500।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य)

निदेशक

वेतन र० 3700-125-4700-150-5000।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड चयन ग्रेड (कक्षान्त)

उप महानिदेशक

वेतन र० 4500-150-5700

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

अपर महा निदेशक

वेतन र० 5900-200-6700

टिप्पणी:—जिस सरकारी कर्मचारी ने इस परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले आधिकारिक पद से अन्यथा किसी स्थायी पद पर स्थायी हैसियत से काम किया है उसका वेतन एक आर० 22-बी (1) के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

(ख) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' से सम्बन्ध कार्य तथा जिम्मेदारियों का स्वरूप।

क्षेत्र सम्मिलित है कार्य करना होगा। उनकी सेवा के लिये निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जायेगी।

भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'

भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों का मुख्य कार्यभार भारत सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि की ओर से भण्डार-सामग्री खरीदना तथा बची हुई सामग्री का निपटान करना है। भारतीय आपूर्ति सेवा अधिकारियों से आशा की जाती है कि उनके पास आपूर्ति एवं निवलयन महा नि० और विदेश स्थित राजदूतावासों/उच्चायोगों के आपूर्ति स्कन्धों को भेजे गये विभिन्न प्रकार के मांग पत्रों से निपटान के लिये अपेक्षित तकनीकी पृष्ठ भूमि हो।

भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'

इंजीनियरी वस्तुओं तथा सामग्रियों और समवर्ती भण्डारों का निरीक्षण तथा परीक्षण, कनिष्ठ अधिकारियों के काम का पर्यवेक्षण करना तथा यह देखना कि उनको अपने कार्य तथा कर्तव्यों के सम्बन्ध में पर्याप्त निदेश मिल गये हैं; महत्वपूर्ण कार्य की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना, तकनीकी रिपोर्टें, विनिर्दिष्टियों तथा आवश्यकता सुधिया बनाना और इंजीनियरी भण्डारों के मांगपत्र के तकनीकी विवरणों की जांच करना, विभाग की अन्य शाखाओं के अधिकारियों, मांग पत्र भजने वालों तथा निर्माताओं को इंजीनियरों मामलों में तकनीकी सलाह तथा सहायता देना।

(3) उनको प्राप्त वेतन की दरें निम्नलिखित हैं:—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर रु० 2200-75-2800
द० रो०-1000

कार्यकारी इंजीनियर—रु० 3000-100-3500-
125- 4500।

अधीक्षक इंजीनियर रु० 3700-125-4700-
150- 5000।

मुख्य इंजीनियर— 5900-200-6700

(4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षण इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियरी के अधिकारियों के लिये लागू) उच्चतर श्रेणियों में पदोन्नति की प्रत्याक्षा कर सकते हैं।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएँ न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बन्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी। यान्त्रिक इंजीनियरी में इस समय मुख्य इंजीनियर का कोई पद नहीं है।

18. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जायेगा। परीक्षाधीन व्यक्ति को परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागीय परीक्षणों को उत्तीर्ण करना होगा। परीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आचरण असन्तोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्य मुक्त कर दे या उसकी परीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिये बढ़ा दे।

(2) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शान्ति के

(5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होंगे पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को यथासाध्य अन्य साधन्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा नगर प्रतिपूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मुफ्त राशन के हकदार है। ये वर्दी के वास्ते परिसज्जा भत्तों के भी हकदार हैं।

(6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में बल सेना अधिनियम, 1950 लागू होगा।

(7) सशस्त्र सेना अधिनियम के भाग 12 के उपबन्धों के सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' पर लागू हो जाने के कारण महिलाएं इस सेवा में नियुक्ति हेतु पात्र नहीं होंगी।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Members

(DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE)

New Delhi-110003, the 28th January 1988

RESOLUTION

No. 12015/36/87-OL(TC).—It has been decided that Shri P. P. Gupta, Chairman and Managing Director, CMC Limited, New Delhi be included as a member of Inter-Departmental high-level Committee for development, use and production of bilingual electronic equipment constituted vide this Department's Resolution No. 12015/12/84-OL(TC) dated the 6th May, 1987.

2. Other decisions in the Resolution No. 12015/12/84-OL(TC) dated 29th July, 1985 and 6th May, 1987 will remain the same.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the Ministries/Departments of the Government of India, Planning Commission, Comptroller and Auditor General Central Revenues, the Lok Sabha Secretariat and the Rajya Sabha Secretariat.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

KAUSHIK MUKHERJEE
Director (Technical)

MINISTRY OF COMMERCE
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi-11, the 20th January 1988

RESOLUTION

No. P.III-1(5)/86.—By Department of Supply Resolution No. P.III-1(5)/86 dated the 11th June, 1987 (as amended by Resolution of even number dated 15-10-87), a Working Group was set up under the Chairmanship of Shri Prakash Narain, Retired Chief Justice of Delhi High Court for considering and recommending the general framework and object of a separate legislation for public buying. The following amendment in the said Resolution is hereby ordered :—

In para 6, for the words and figures "by 15th December, 1987" substitute the words and figures "by the 15th April, 1988".

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

Also ordered that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. C. KAPILA
Addl. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPTT. OF AGRI. & COOPN.)

New Delhi, the 1st January 1988

RESOLUTION

No. CPS.19-45/85-CU.III.—The Government of India in the Ministry of Agriculture, Deptt. of Agriculture & Co-operation has set up a Planning, Research and Action Group to go into the question of cultivation of wheat free from 'Karnal-Bunt' in the country. The composition of the group is as under :—

I—COMPOSITION

Chairman

1. Dr. M. V. Rao,
Special Director General,
ICAR, Krishi Bhavan,
New Delhi.

Member Secretary

2. Dr. S. S. Khanna,
Adviser (Agriculture),
Planning Commission,
Yojna Bhavan,
New Delhi.
3. Shri M. R. Sivaraman,
Joint Secretary,
Ministry of Commerce,
Udyog Bhavan,
New Delhi.
4. Shri K. M. Sahni,
Joint Secretary,
Department of Food,
Krishi Bhavan,
New Delhi.
5. Dr. T. V. Sampath,
Agriculture Commissioner,
Deptt. of Agri. & Coopn.,
Krishi Bhavan,
New Delhi.
6. Shri Laljit Singh,
Chief Commercial Manager,
Food Corporation of India,
16-20, Bara Khamba Lane,
New Delhi.
7. Shri R. R. Sharma,
Director of Agriculture,
Uttar Pradesh,
Lucknow.
8. Shri Sukhdev Singh,
Director of Agriculture,
Punjab,
Chandigarh.
9. Shri Bir Bal,
Director of Agriculture,
Haryana,
Chandigarh.
10. Dr. K. S. Nandpuri,
Director Research,
Punjab Agricultural University,
Ludhiana (Punjab).
11. Dr. D. N. Ram,
Director of Agriculture,
Bihar,
Patna.
12. Shri N. N. Mehta,
Director of Agriculture,
Madhya Pradesh,
Bhopal.
13. Dr. S. N. Joshi,
Director of Agriculture,
Gujarat,
Ahmedabad.
14. Shri Pradeep Kumar Dev,
Director of Agriculture,
Rajasthan,
Jaipur.
15. Dr. J. P. Tandon,
Project Director (Wheat),
IARI, New Delhi.

II—TERMS OF REFERENCE

- (i) To examine the problem of 'Karnal-Bunt' in the Production of wheat in India;
- (ii) To examine the specific problems which weighed with the importing countries to reject our wheat; and
- (iii) To recommend remedial measures for ensuring its fitness for export purposes.

2. The Group would complete its work and submit the report within a period of six months from the date of its constitution.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution may be communicated to all concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. D. KHEMANI
Director (CROPS)

New Delhi, the 3rd February 1988

RESOLUTION

No. 48(8)/81-Sheep.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 48(8)/81-Sheep dated 19-11-1986 to be read with Resolution No. 48(8)/81-Sheep dated the 8th November, 1985 reconstituting the Central Sheep Development Council, Government of India have decided to nominate Shri Raj Kumar Nagrath, President, Bharat Dalit Sevak Samaj Sangh Mandal, Agra, U.P. as non-official member representing farmers interest.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all States Governments, Administrations of Union Territories, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's office, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. P. VERMA, Under Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 29th January 1988

RESOLUTION

No. U-23013/31/87-LW(.).—In partial modification of para 2 of the Ministry of Labour's Resolution No. U-23013/11/86-LW dated the 3rd September, 1986, published in Gazette of India Extraordinary, Part I, Section 1, relating to the constitution of a committee to go into the question of abolition of contract labour system in Coal Washeries in the Country, Central Government hereby makes the following amendment namely :—

In the said Resolution against Serial No. 2 for the words and letters "Shri M. L. Sarawagi, President of Indian Minerals Industries, M/s. S. K. Sarawagi & Co. (P) Ltd., "Roychatt Building", 1st Floor, 25-12-36, Godeyvari Street,

Visakhapatnam-530001, the following shall be substituted, namely :—

Member

- "2. Shri V. J. Trivedi,
President,
Federation of Indian Mineral Industries,
M/s. J. A. Trivedi Brothers,
Post Box No. 1, Main Road, Balaghat,
Madhya Pradesh-481001."

ORDER

Copies of the Resolution may be sent to :—

1. All the members of the Central Advisory Contract Labour Board.
2. Shri V. J. Trivedi, President, Federation of Indian Mineral Industries, M/s. J. A. Trivedi Brothers, Post Box No. 1, Main Road, Balaghat, M.P.-481001.
3. The Regional Labour Commissioner (Central), Bungalow No. B-2, Doctor's Colony, Jagjiwan Nagar, Dhanbad-826003 with reference to his letter No. 34/3(22)/86-C.7 dated 26-10-87.
4. The Secretary, Federation of Indian Mineral Industries 301, Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi-110019.

Ordered also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India, Part-I, Section-I.

A. K. SRIVASTAVA
Director General (Labour Welfare)
Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 27th February 1988

No. 87/E(GR)1/18/2.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination— to be held by the Union Public Service Commission in 1988 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/departments concerned, published for general information :—

CATEGORY 1—CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railways Service of Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);
- (iii) Central Engineering Service
- (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre)
- (v) Military Engineer Service (Surveyor of Works Cadre).
- (vi) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts)
- (vii) Assistant Executive Engineers (Civil), (P&T) (Civil Engineering Wing).
- (viii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

(ix) Central Engineering Service (Roads) Group-A.**(x) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.****Group B Services/Posts****(xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing, All India Radio****CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING****Group A Services/Posts****(i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;****(ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);****(iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);****(iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering posts);****(v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);****(vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts);****(vii) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical cadre) (Mechanical Engineering Posts);****(viii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);****(ix) Posts of Assistant Development Officer (Engineering in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts);****(x) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts, Border Roads Engineering Service, Group A;****(xi) Indian Inspection Service Group A, Mechanical Engg. Posts;****(xii) Drilling Engineer (Junior) Group A in GSI;****(xiii) Mechanical Engineer (Junior) Group A in GSI.****Group B Services/Posts****(xiv) Workshop Officer (Mechanical Engineering Posts) in the Corps of EME, Ministry of Defence;****CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING****Group A Services/Posts****(i) Indian Railway Service of Electrical Engineers;****(ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);****(iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);****(iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch (Electrical Engineering Posts);****(v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);****(vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);****(vii) Assistant Executive Engineer (Electrical P and T Civil Engineering Wing);****(viii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post);****(ix) Indian Inspection Service Group 'A' (Elect. Engg. Posts);****(x) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical cadre) (Electrical Engineering Posts);****Group B Services/Posts****(xi) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.****CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING****Group A Services/Posts****(i) Indian Railway Service of Signal Engineers;****(ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);****(iii) Indian Telecommunication Service;****(iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications;****(v) Indian Broadcasting (Engineers) Service;****(vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);****(vii) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);****(viii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);****(ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development; (Electronics and Telecommunication Engineering Post);****(x) Indian Supply Service, Group 'A' (Electronics Engg. Posts).****(xi) Indian Inspection Service Group 'A' (Electronics Engineering Posts).**

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/Posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

N.B. (i)—Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules, in the order of preferences in their application form. In case a candidate does not give any preference for any Service/Post or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts, and in that event he shall be allocated to any of the remaining services/Posts in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preferences. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/Posts.

N.B.-(ii)—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ., CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (CF PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. (iii)—Candidates should give their preferences only for the Services and Posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. (iv)—DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE-RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL, HOWEVER,

BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTMENT ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

N.B. (v)—Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other services and Posts, if any, will be ignored.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1988 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1960 and not later than the 1st August, 1968.

(b) Subject to conditions mentioned in N.B. (iii) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned

in column I below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in Column 2, for which they are otherwise eligible.

(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1988.

Note.—The period of apprenticeship, is followed by appointment against a working post on the railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

| Column 1 | Column 2 |
|---|--|
| Railway Department | I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.M.E I.R.S.S. |
| Central Public Works Department | C.E.S.—Group A C.E. Q M.E.S. Group A |
| Engineer-in-Chief, Army Headquarters | M.E.S. Group A (B) & R. Cadre and Surveyor of Works Cadre) M.E.S. Group A (B. & M Cadre) |
| Directorate General Ordnance Factories Control Water Commission | I. O. F. S. Group A C-E.W.A.) (Group A) Service. |
| Central Electricity Authority | C.P.E. (Group A) Service |
| Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation? | Engineer (Group A) |
| Border Roads Organisation | Border Roads Engineering Service |
| All India Radio/Doordarshan | Junior scale Indian Broadcasting (Engineers) Service. Assistant Engineer Group B (Civil/Electrical) Civil/ Construction Wing A.I.R. |
| Indian Navy | Indian Naval Armament Service |
| P. & T. Department | Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Group A, P & T Civil Wing. |
| Directorate General of Technical Development | Assistant Development Officer (Engineering) Group 'A'. |
| Directorate General of Supplies and Disposals | 1.1. S Group A I.S.S. Group 'A' |
| Geological Survey of India | Drilling Engineer (Junior) Group—A & Mechanical Engineers, Group-A. |

(i) Up to a Maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and the 25th March, 1971;

(iii) Up to a maximum of eight years, if a candidate belongs to Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iv) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

(v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

(vi) Up to a maximum of three years, if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

(vii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(viii) Up to a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(ix) Up to a maximum of eight years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (x) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xi) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (xii) Up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (xiii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (xiv) Up to a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1988 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st August 1988 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to military Service or (iii) on invalidment.
- (xv) Up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers, including ECOs/SSCOs, who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1988 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st August, 1988 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) Up to a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August 1988 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (xvii) Up to a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1988 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment; who belong to the scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xviii) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile, West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.
- (xix) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.
- (xx) Up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

- (xxi) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

(E) passed Associate Membership Examination Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or

(F) Passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or

(G) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

NOTE.—Ex-Servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-serviceman for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 5(c) (xiv) & 5(c) (xv) of the Rules.

N.B.—The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled, if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application, to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must have—

(A) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or

(B) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or

(C) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign Universities/College/Institution, and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or

(D) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio-Engineers London, held prior to November, 1959 is also acceptable subject to the following conditions :—

(1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination :

(i) Principles of Radio and Electronics I (Section 'A').

(ii) Mathematics II (Section 'B').

(2) that the candidates concerned should produce certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service and Indian Naval Armament Service, (Electronics Engineering Posts); may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely;

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result may, apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 15th December, 1988

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise, qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission with holding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or

(vii) using unfair means during the examination; or

(viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff-employed by the Commission for the conduct of their examinations; or

(xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or

(xii) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient

number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merits as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A

candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note :

- (i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of

the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards require are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to pass after entry into service.

20. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

S. M. VAISH
Secretary
Railway Board

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

PART I—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below :

PART II—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Category I—CIVIL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

| Subject | Code | Duration | Maximum Marks |
|--------------------------------|------|----------|---------------|
| Section I—Objective Papers | | | |
| General Ability Test | | 2 hours | 200 |
| (Part A: General English) | 01 | | |
| (Part B: General Studies) | 02 | | |
| Civil Engineering Paper I | 11 | 2 hours | 200 |
| Civil Engineering Paper II | 12 | 2 hours | 200 |
| Section II—Conventional Papers | | | |
| Civil Engineering Paper I | 13 | 3 hours | 200 |
| Civil Engineering Paper II | 14 | 3 hours | 200 |
| Total | | | 1000 |

Category II—MECHANICAL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

| Subject | Code | Duration | Maximum Marks |
|---------------------------------|------|----------|---------------|
| Section I—Objective Papers | | | |
| General Ability Test | | 2 hours | 200 |
| (Part A: General English) | 01 | | |
| (Part B: General Studies) | 02 | | |
| Mechanical Engineering Paper I | 21 | 2 hours | 200 |
| Mechanical Engineering Paper II | 22 | 2 hours | 200 |
| Section II—Conventional Papers | | | |
| Mechanical Engineering Paper I | 23 | 3 hours | 200 |
| Mechanical Engineering Paper II | 24 | 3 hours | 200 |
| Total | | | 1000 |

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

| Subject | Code | Duration | Maximum Marks |
|---------------------------------|------|----------|---------------|
| Section I—Objective Papers | | | |
| General Ability Test | | 2 hours | 200 |
| (Part A: General English) | 01 | | |
| (Part B: General Studies) | 02 | | |
| Electrical Engineering Paper I | 41 | 2 hours | 200 |
| Electrical Engineering Paper II | 42 | 2 hours | 200 |
| Section II—Conventional Papers | | | |
| Electrical Engineering Paper I | 43 | 3 hours | 200 |
| Electrical Engineering Paper II | 44 | 3 hours | 200 |
| Total | | | 1000 |

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING
(cf. Preamble to the Rules)

| Subject | Code | Duration | Maximum Marks |
|--|------|----------|---------------|
| Section I—Objective Papers | | | |
| General Ability Test | | 2 hours | 200 |
| (Part A: General English) | 01 | | |
| (Part B: General Studies) | 02 | | |
| Electronics & Telecommunication Engineering | | | |
| Paper I | 61 | 2 hours | 200 |
| Electronics & Telecommunication Engineering | | | |
| Paper II | 62 | 2 hours | 200 |
| Section II—Conventional Papers | | | |
| Electronics & Telecommunication Engineering | | | |
| Paper I | 63 | 3 hours | 200 |
| Electronics & Telecommunication Engineering | | | |
| Paper II | 64 | 3 hours | 200 |
| Total | | | 1000 |

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidates capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE :—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type

papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabus

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST

Part A : General English (Code No. 01) : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

Part B : General Studies (Code No. 02) : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.
Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.
2. Solid Mechanics.
Stresses, Strain, Failure Theories of Solid Materials.
Simple bending and torsion theories shear centre.
3. Graphic Statics.
Force Polygon, stress diagram.
4. Structural Analysis.
Analysis of trusses and frames.
Introduction to plastic Analysis.

5. Design of Metal Structures

Working stress and ultimate strength design of simple structures.

6. Design of concrete and Masonry Structures

Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics, Water Resources Engineering.

Open channel and pipe flow. Hydrology Design of canals and hydraulic structures.

2. Soil Mechanic and Foundation Engineering and their general principles Strength parameters. Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.

3. Transportation Engineering including Railway Engineering and Surveying. Roads superelevation. Ruling gradient, pavements, Traffic controls, Design considerations.

4. Environmental Engineering

Water purification, Sewage treatment and disposal.

5. Construction, Planning and Management.

Elements of construction practice, Bar charts, CPM, PERT.

MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics

Laws Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles, Fuels and combustion.

2. I. C. Engines

C. I. and S. I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation. Performance and Testing. Turbo Jet and Turbo-prop. Engines, Rocket Engines Elementary Knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.

3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines

Modern boilers. Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.

4. Compressors Gas Dynamics and Gas Turbines Reciprocating Centrifugal and axial flow compressors. Velocity diagrams. Efficiency and performance. Effect

of Mech. number on flow, Isentropic flow. Normal Shocks and Flow through nozzles Gas Turbine Cycle with multistage compression Reheating and Regeneration.

5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-Conditioning

Conduction, Convection and Radiation. Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient. Refrigeration and heat pump Cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance. Psychrometrics and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.

6. Properties and classifications of fluids.

Fluid statics, kinematics and dynamics; principles and applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer Theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimensional analysis and similitude technique.

Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronamic power transmission.

Paper II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

7. Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) of moving bodies; (ii) in machines. Klien's construction Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and Governors. Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

8. Machine Design

Design of : Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys, Cotter, Coupling—Welded Joints—Transmission system : Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gears—siding and Rolling bearings.

9. Strength of Materials.

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams : Bending moments, shearing forces and reflection.

Shafts : Combined bending, direct and torsional stresses.

Thick Walled cylinders and spheres under Pressure. Spring, Struts and columns. Theories of failure.

10. Engineering Materials
Alloys and Alloying Materials, heat treatment; composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

11. Production Engineering
Metal Machining: Cutting Tools; Tool Materials, Wear and Machinability, measurement of cutting forces.

Process: Machining—Grinding, Boring, Gear, Manufacturing, Metal forming, Metal casting and jointing. Basic, Special, Purpose, Programme and numerically-Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

12. Industrial Engineering
Work study and work measurement Wage incentive. Design of Production System and Product Cost, Principles of Plant layout, Production Planning and Control. Material handling. Operations Research. Linear Programming Queuing Theory. Value Engineering Network Analysis, CPM and PERT. Use of Computers.

ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

1. Electrical Circuits
Network theorems, Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs. Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.
2. EM Theory
Electrostatics: Magnetostatics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, Maxwell's equations. Planewave propagation in conducting & Dielectric media; properties of Transmission lines.
3. Material Science: (Electric Materials)
Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields. Piezoelectricity. Conductivity of Metals. Super conductivity. Magnetic Properties of materials. Ferro and ferri-magnetism. Conduction in Semiconductors, Hall effect.
4. Electrical Measurements
Principles of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments. VTVM and CRO, Q-Meter, Spectrum analyser. Transducers

and measurement of non-electrical quantities, Digital measurement, telemetering data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

5. Elements of Computation
Digital system algorithms, flow-charting. Storage: Type statements, array storage Arithmetics expression, logical expressions, Assignments statements. Programme structure Scientific and Engineering applications.
6. Power Apparatus & Systems
Electromechanics: Principles of electro mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synchronous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers, Magnetic Circuits and Selection of motors for drives. Power System: Power generation: Thermal Hydro and Nuclear Power Transmission, Corona Bundle conductors. Power Systems Protection. Economic operation. Load frequency control, stability analysis.
7. Control Systems
Open-loop and closed loop systems, Response analysis Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State-variable approach.

8. Electronics & Communications
Electronics: Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design. Feedback amplifiers Oscillators and operational amplifiers, FET circuit and linear ICs Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits. Combinational and sequential digital circuits.

Communications: Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection. Various types of communication systems. Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

1. Materials Components and Devices
Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components—types and properties.
Active components—type and properties.
Solid State Devices—Physics, Characteristics and models.

2. Network Theory

Network Theorems. Steady State and transient response of electric circuits. Network analysis Elementary net work synthesis.

3. Electromagnetic Theory

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory. Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

4. Measurements and Instrumentation

Measurement of basic-electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working. Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II (Code No. 62 for objective type paper and 64 for conventional paper)

1. Linear and Non-linear Analog Circuits.

Basic Linear electronics circuits. Pulse shaping circuits. Wave from Generators. Stabilizers.

2. Digital Circuits

Logic circuits and Gates. Computing Circuits. Combinational and sequential circuits.

3. Control Systems

Feedback theory. Control system components. Response of Control Systems. Design of practical system.

4. Communication Systems

Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems. Radio and Line communications. Television and Radar Navigational Aids Satellite communication principles.

5. Microwave Engineering

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies Microwave Communication Systems.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the 8—471 GI/87

norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows :

| Name of Services | Height | Chest girth fully expanded | Expansion |
|---|--------|----------------------------|-----------|
| Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D. | | | |
| (a) For Male candidates | 152cm. | 84 cm. | 5 cm. |
| (b) For Female candidates | 150 cm | 79 cm. | 5 cm. |

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalls, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

(c) For the Military Engineer Services, Group A the Indian Ordnance Factories Service Group A and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B' a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standards, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hand loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidates eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

- (i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.
- (ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

| Services | Distant Vision | | Near Vision | |
|----------|--------------------|-----------|-------------------|-----------|
| | Better eye | Worse eye | Better eye | Worse eye |
| | (Corrected vision) | | Corrected vision) | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |

A. Technical

1. Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical, and Mechanical Engineering Service Group A, Indian Inspection Service Group A Central water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineering Civil & Electrical) Group A: (P & T) Civil Engineering Wing Post of Engineer, Group A, in W.P. & C. Wing Monitoring Organisation Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service Group A, Border Roads, Engineering Service Group 'A' Assistant Engineer, Group B Civil Construction Wing in AIR Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--|------------|-------------|----|-----|
| 3. Military Engineer Services, Group A, and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'. | 6/6 6/9 | 6/18 6/9 | JI | JII |
| B. Non-Technical | | | | |
| 4. Indian Railway Stores Service, Indian Supply Service, Group A. | 6/2 | 6/12 | JI | JII |
| Drilling Engineer (Junior) Group A and Mechanical Engineer (Junior) Group A | | | | |

NOTE (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed -4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed $+4.00$ D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below:

| Grade | Higher grade of colour perception | Lower grade of colour perception |
|--|-----------------------------------|----------------------------------|
| 1. Distance between the lamp and the candidate | 16' | 16' |
| 2. Size of aperture | 1.3mm | 13mm |
| 3. Times of exposures | 5 seconds | 5 seconds |

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for other lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below:—

Technical Services or posts requiring higher grade colour perception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Central Power Engineering Service.
- (v) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T) Telecom, Factories Organisation.
- (vi) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (vii) Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

Technical Services or posts requiring lower grade colour perception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineering (Civil & Electrical), Group A (P&T, Civil Engineering Wing).
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Assistant Engineer (Civil, Electrical) Group 'B' Civil Construction Wing in A.I.R.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridges Green's lanterns shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) *Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual

acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board.

NOTE (6) *Ocular conditions, other than visual acuity—*

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint.*—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect be that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has :

(i) 6/6 distant vision and J 1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Posts/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15-foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

7. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either laying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid building during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 m.m. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the will-heard clear

sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner,

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case, it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist: Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central

Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

| 1 | 2 | 3 |
|--|--|---|
| (1) Marked or total deafness in one ear other being normal. | Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decible in higher frequency. | |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000. | |
| (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type. | One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below. | |
| | (i) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit. | |
| | (iii) Central perforation both ears—Temporary unfit. | |
| (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. | (i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both, technical and non-technical jobs. | |
| | (ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid. | |

| 1 | 2 | 3 |
|--|---|---|
| (5) Persistently discharging ear operated/unoperated. | Temporarily Unfit for both technical and non technical jobs! | |
| (6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal septum is present with Symptoms—Temporary Unfit. | |
| (7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and or Larynx. | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit. | |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. | (i) Benign Tumours—Temporarily Unfit. (ii) Malignant Tumours—Unfit. | |
| (9) Otosclerosis | If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit. | |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat. | (i) If not interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit. | |
| (11) Nasal Poly. | Temporarily Unfit. | |

(b) that his/her speech is without impediment;

(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination;

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Alongwith appeal the candidates must submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of

the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fees within the stipulated time.

13. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall lie against the same.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the ground for rejection may be communicated to the candidate in board terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a

candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) Candidates statement and declaration

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (block letters)

.....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place

.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is, 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism appendicitis :

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

.....
.....
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.

.....
.....
.....

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

| Father's age if living and state of health | Father's age at death and cause of death | No. of brothers living, their ages and state of health | No. of brothers dead, their ages at and cause of death |
|--|--|--|--|
| (1) | (2) | (3) | (4) |

| Mother's age if living and state of health | Mother's age at death and cause of death | No. of sisters living, their ages and state of health | No. of sisters dead, their ages at and cause of death |
|--|--|---|---|
| (5) | (6) | (7) | (8) |

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

7. If answer to the above is Yes, please state what Service(s)/post(s) you were examined for ?

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ?

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical examination.

1. General development Good
Fair Poor Nutrition : Thin
Average Obese Height (without shoes) Weight Best Weight

When ? Any recent change in weight
temperature
Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease

(2) Night Blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Funds Examination

Strength of glasses

| Acuity of vision | Naked eye | With glasses | Sph. | Cyl | Axis |
|--------------------------|-----------|--------------|------|-----|------|
| Distant Vision | R.E. | | | | |
| | L.E. | | | | |
| Near Vision | R.E. | | | | |
| | L.E. | | | | |
| Hypermetropia (Manifest) | R.E. | | | | |
| | L.E. | | | | |

4. Ears : Inspection Hearing Right Ear Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.

If yes, explain fully

8. Circulatory system :

(a) Heart : Any organic lesions
Rate Standing
After hopping 25 times
Two minutes after hopping

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/
POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE
ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION

1. Indian Railway Service of Engineers, Indian Railway Service of Electrical Engineers, Indian Railway Service of Signal Engineers, Indian Railway Service of Mechanical Engineers and Indian Railways Stores Service.

(a) *Probation* :—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post if the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) *Training* :—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) *Termination of appointment* :—(i) The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(ii) If in the opinion of the Government the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(iii) Failure to pass the departmental examination may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services.

- (b) Blood Pressure : Systolic
Diastolic
9. Abdomen : Girth Tenderness
Hernia
- (a) Palpable Liver Spleen
.....
.....
..... Kidneys
..... Tumours
(b) Haemorrhoids Fistula
10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities
11. Loco-Motor System : Any abnormality
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele etc., Urine analysis :
(a) Physical Appearance
(b) Sp. Gr.
(c) Albumen
(d) Sugar
(e) Casts
(f) Cells
13. Report of X-Ray Examination of Chest
14. Is there anything in the health of candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

NOTE.—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9.

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?
Is the candidate fit for Field Service ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following categories :—

- (i) Fit
(ii) Unfit on account of
(iii) Temporarily unfit on account of
President
Member

Place.....

Date

9-471GI/87

(d) **Confirmation** :—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

(e) **Scales of pay** :

(i) **Junior Scale** :—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) **Senior Scale** :—Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) **Junior Administrative Grade** :—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) **Senior Administrative Grade** :—Rs. 5900-200-6700.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 5900 and Rs. 8000 to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) **Refund of the cost of training** :—If for any reasons which, in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond, a copy of which will be enclosed along with their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) **Leave** :—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) **Medical attendance** :—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) **Passes and Privilege Ticket Orders** :—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) **Provident Fund and Pension** :—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) **Liability to serve in Defence Services** :—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL & MECHANICAL ENGINEERING SERVICE, GROUP A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/relation on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies.

and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

(i) J.T.S (A.E.E) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000

(ii) S. T.S. (E.E.) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) J.A.G. (S.E.)

(a) Ordinary Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(b) Selection Grade Rs. 4500-150-5700.

(iv) S.A.G.(C.E.) Rs. 5900-200-6700.

(v) Super time Scale

Additional D.G.
D.G.(W)

Rs. 7300-7600 }
Rs. 8000 fixed }

These posts are common to all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A)

(i) Central Engineering Service Group A

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service Group A

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. MILITARY ENGINEERING SERVICES, GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if, his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Supts. (B/R & E/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

- (b) I. The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any :

Provided that such a candidate—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

II. The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under SRO, No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay :—

- | | | |
|--|---|--------------------------|
| (a) Assistant Executive Engineer Assistant Surveyor of Works | } | 2200-75-2800-EB-100-4000 |
| | | |
| (b) Executive Engineer Surveyor of Works | } | 3000-100-3500-125-4500 |
| | | |
| (c) Superintending Engineer (Ordinary Grade) Superintending Surveyor of Works (Ordinary Grade) | } | 3700-125-4700-150-5000 |
| | | |
| (d) Superintending Engineer (Selection Grade) Superintending Surveyor of Works (Selection Grade) | } | 4500-150-5700 |
| | | |
| (e) Deputy Chief Engineer | } | 5700-125-4700-150-5000 |
| | | |
| (f) Chief Engineer (Level II) Chief Surveyor of Works (Level II) | } | 5100-150-5700 |
| | | |
| (g) Chief Engineer (Level I) Chief Surveyor of Works (Level I) | } | 5900-200-6700 |
| | | |

4. INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE, GROUP A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as shall be

provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Govt. may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any; provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :

| | |
|-----------------------|-------------------------------|
| Jr. Time Scale | Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000. |
| Sr. Time Scale | Rs. 3000-100-3500-125-4500. |
| Jr. Admin. Grade (OG) | Rs. 3700-125-4700-150-5000. |
| Jr. Admin. Grade (SG) | Rs. 4500-150-5700. |
| Sr. Admin. Grade | Rs. 5900-200-6700. |
| Sr. General Manager | Rs. 7300-100-7600. |
| Addl. DGO/Member, OFB | Rs. 7300-200-7500-250-8000. |
| DGO/Member, OFB | Rs. 8000. |

NOTE :—The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts) 1051/D(Civ-1) dated the 25th November, 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.

- (e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

5. INDIAN TELE-COMMUNICATION SERVICES, GROUP A

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

Senior Scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500.

Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000.

Selection Grade JAG : Rs. 4500-150-5700.

Senior Administrative Grade : Rs. 5900-200-6700.

NOTE :—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 2350 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunication Service Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Engineers Telegraphs

Assistant Divisional Engineers Telegraphs will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division, Incharge of Carrier VFT, Coaxial, Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication works.

Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in Telecommunication systems etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone Districts, Telecommunication Circles etc.

Senior Administrative Grade

Head of Telecommunications Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General in the P&T Board—Provides the top level assistance to the P&T Board in framing policy and in overall administration. Director Telecommunication Research Centre and Additional Director Telecommunication Research Centre responsible for overall research activities of the Telecommunication Research Centre.

Persons appointed to the posts of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit, as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any. Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) Promotion to higher grades

The officers appointed to the posts of Assistant Director/ Assistant executive Engineers are eligible for promotion to higher grade viz., Deputy Director/Executive Engineer/ Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade), Deputy Chief Engineer, and Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1965 as amended from time to time.

(iv) Scale of pay

The scale of pay for the posts of the Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

| Name of the post | Pay Scale |
|---|----------------------------------|
| 1. Assistant Director/ Assistant Ex Engineer | Rs 2200-75-2800-EB- 100-4000. |
| 2 Dy Director/Ex Engineer | Rs 3000-100-3500-125-4500. |
| 3. Director/Sup Engineer | Rs 3700-125-4700-150-5000. |
| 4. Dy Chief Engineer | Rs. 4500-150-5700. |
| 5 Chief Engineer/Member Secretary | Rs 5900-200-6700 |

Note : For Purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Fourth Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

(v) Duties and responsibilities

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/ Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

8. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

6. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years;

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)/Director/Superintending Engineer (Selection Grade) Chief Engineer/Member/Chairman, CWC after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering post in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

- | | |
|--|-------------------------------|
| 1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer | Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000. |
| 2. Deputy Director/Executive Engineer | Rs. 3000-100-3500-125-4500. |

Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade) Rs. 3700-125-4700-150-5000

4. Director/Superintending Engineer (Selection Grade) Rs. 4500-150-5700.

5. Chief Engineer . . . Rs. 5900-200-6700

6. Member, CWC/Chairman GFCC Rs. 7200-100-7600

7. Chairman, CWC . . . Rs. 8000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

Assistant Director (Civil and Mechanical)

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc. for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc. etc.

7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A SERVICE)

(i) Description of the Organisation

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission, Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility technical analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform the overall context of National economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy, power providing its main motive force.

(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.

Sixty per cent of posts in the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 2200-4000/- are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services, Examination held by the Union Public Service Commission annually.

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, shall, if so, required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any;

assignment, scrutiny and maintenance of P.S.L. issues and records, log books, history sheets etc.

Drilling Engineer (junior)

Provided that such a person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) or Mechanical Engineer (Junior) Geological Survey of India, and

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instruction on the subject :—

A—For Drilling Engineer (Junior) Group 'A'—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Drilling)—Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.

B—For Mechanical Engineer (Junior) (Group A)—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000.

- (i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Mechanical Engineering)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
- (iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

Note.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

*Nature of duties & responsibilities attached to the post in Geological Survey of India
Mechanical Engineer
(Junior)*

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment allotment of drivers & vehicles for various field duties and

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeeping of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintenance stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

(9) ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS.—

(a) Scale of pay Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing Engineer-in-Charge Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 3000-100-3500-125-4500 plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser Engineer-in-charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Advisers and Engineers-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge are eligible for being considered for promotions as Deputy Wireless Adviser (Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Posts.
 - (i) Supervision guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.
 - (ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of emissions.
 - (iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/organisations for different types of the radio communication services.
 - (iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment or relevant technical standards type-approval of equipment studies of electro-magnetic interference/compatibility etc.
 - (v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.
 - (vi) Conducting of examinations for Certificate of Proficiency/Radio Amateurs etc. and issuing of respective licences.
 - (vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.
 - (viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, of other international/regional organisation dealing with telecommunications.

10. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A :

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the 10—471 GI/87

completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if any time during such period of probation of extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :

Assistant Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical) —Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000 /-.

Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 3000—100—3500—125—4500 /-.

Superintending Engineer—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

Superintending Engineer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

Chief Engineer—

Rs. 5900—200—6700 /-.

Additional Director General (Roads/Bridges)—Rs. 7300—100—7600 /-.

Director General (Roads Development)—Rs. 7300—200—7500—250—8000/- and Additional Secretary.

NOTE : The pay of Government Servant, who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Shipping and Transport in planning, preparing

designs and estimates of Roads—Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States and/or in procurement and upkeep of Central machinery.

11. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior Scale shall be on probation for a period of two years.

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for Extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof. Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(iv) if, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) Appointment to the Service :—All appointments to the service shall be made by the Controlling

Authority for all the posts in various grades of the Service, whether in 'Akashvani' or in 'Door-darshan'.

(c) Liability for service in any part of India and other conditions of service :—(1) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(i) Any officer appointed to the Service if, so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any, provided that such officers.

(ii) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Services.

(iii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services in general.

The following are the rates of pay admissible.

| | |
|---|-------------------------------|
| 1. Junior Scale . . . | Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000. |
| 2. Senior Scale . . . | Rs. 3000-100-3500-125-4500 |
| 3. Junior Administrative Grade | Rs. 3700-125-4700-150-5000 |
| 4. Junior Administrative Grade (Selection Grade) | Rs. 4500-150-5700 |
| 5. Senior Administrative] | Rs. 5900-200-6700 |
| 6. Engineer-in-Chief | Rs. 7300-100-7600 ; |
| Nature of Duties and responsibilities attached to the post of Junior Scale of IB (E) S Group 'A' Design, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters, Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers. | |

12. ASSISTANT ENGINEER (GROUP B) (CIVIL AND ELECTRICAL), CIVIL CONSTRUCTION WING, ALL INDIA RADIO, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Appointment will be made on probation for a period of two years.

- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the condition of service laid down for employees of the Corporation.

- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination Intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill-health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

- (d) Assistant Engineer (Civil & Electrical)—Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.

- (e) Prospects of Promotion to higher grades :—

- (i) Assistant Engineers (Civil & Electricals), with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 3000—100—3500—125—4500/-.

- (ii) Executive Engineers with a minimum of 7 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 3700—125—4700—150—5000.

The candidates, in the course of their service are promoted to various service ranks in the department as per recruitment rules in existence.

NOTE.—The remaining conditions of service such as leave, travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concession, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

- (f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical) : To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

13. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

- (a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service.

- (b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.

- (c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subjected to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

- (d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.

- (e) Scale of pay and classification—Group A Gazetted.
(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade II—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

- (ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—
(ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—

(iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

(v) Director of Armament Supply—Rs. 5900—200—6700.

(f) Prospects of Promotion to higher grades—

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 3000—4500 on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers course at the I.A.T., Kirkee.

(ii) *Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)*

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such as eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 3700—5000 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) *Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)*

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 4500—5700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) *Director of Armament Supply*

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) with 3 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 5900—6700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

NOTE : The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject

to the provision of F.R. 22B(I) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

(i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical electronics and electrical devices and system production and productivity.

(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.

(iii) Development work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

(iv) Providing of mechanical electronics and electrical spare for armaments.

(v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos, mines and guns) measuring instruments etc.

(vi) Providing logistic support in respect of armament stores to fleet and Naval Establishments.

(vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

14. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER IN P & T CIVIL ENGINEERING WING—

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The following are the rates of pay admissible :—

Group B Assistant Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Group A :—

- (i) Assistant Executive Engineer (Civil)/(Electrical) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
- (ii) Executive Engineer/Surveyor of Works (Civil)/(Electrical) Rs. 3000-100-3500-125-4500.
- (iii) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil)/(Electrical) Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (iv) Chief Engineer (Civil) Rs. 5100-150-5700.
- (v) Chief Engineer (Civil)/(Electrical) Rs. 5900—6700.

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P&T Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Building Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of Buildings, Factories, store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. their service are promoted to various senior ranks in the department.

15. POST OF ASSISTANT DEVELOPMENT OFFICER (ENGINEERING) IN THE DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT :—

- (a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.

(b) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(c) Assistant Development Officers with 5-years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 3000-100-3500-125-4500. 90% of the post in the cadre of Development Officer are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Additional Industrial Adviser in the scale of pay of Rs. 4100-125-4850-150-5300. Additional Industrial Adviser are eligible for promotion to the post of Industrial Adviser (Rs. 4500-150-5700). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 5900-200-7300) and Deputy Director General in turn are eligible for promotion to the post of Secretary (TD) & DG (TD).

(d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;
- (e) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Development Officer :—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz Mechanical Engineerings, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering, Automobile Electronic Engineering Industries etc.

16. POST OF WORKSHOP OFFICER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

- (a) Persons recruited to the post of Workshop Officer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.

- (b) Candidates appointed to the post will be liable to serve anywhere in India.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

(i) Workshop Officer Group B—Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

(ii) Workshop Officer Group A—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(iii) Senior Workshop Officer—Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iv) Workshop Superintendent—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(v) Workshop Superintendent (Selection Grade)—Rs. 4100-125-4850-150-5300.

- (d) *Duties.* To function as an incharge of a section undertakings repairs of 'A', 'B' and 'C' Vehicles, Guns, Wireless and Radar Equipment and Instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshops/Station Workshops and/or Staff EME (Extra-Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) or as Instructor in EME Training Establishments including administrative duties.

- (e) The posts are non-pensionable in the initial stage, but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.

- (f) Candidates selected for the post are bound for field service liability and should possess medical category 1 (one).

17. INDIAN SUPPLY SERVICE/INDIAN INSPECTION SERVICE :—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiry of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension thereof they are satisfied that any officer will not be fit for perma-

nent appointment on the expiry of such period or extension thereof they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officer will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale

Assistant Director (Grade I) Scale Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

Senior Scale

Deputy Director Scale Rs. 3000-100-3500-125-4500.

Junior Administrative Grade (Ordinary)

Director Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000.

Junior Administrative Grade (Selection Grade-Functional)

Deputy Director General Scale Rs. 4500-150-5700.

Senior Administrative Grade

Additional Director General Scale Rs. 5900-200-6700.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Indian Supply Service Group A/Indian Inspection Service Group 'A'.

INDIAN SUPPLY SERVICE GROUP 'A'

The main item of work of the officers of the Indian Supply Service is the purchase of stores as also disposal of surplus stores on behalf of Government of India/Public Sector Undertakings etc. The officers of the Indian Supply Service are expected to possess requisite technical backgrounds to deal with the diversified nature of Indents placed on the DGS & D and the Supply Wings of Embassies/High Commission abroad.

INDIAN INSPECTION SERVICE (GROUP A)

Inspection and test of Engineering articles and materials, and stores of allied nature, supervision of Junior Officers' work and ensuring that they are adequately instructed on their work and duties: personal attention to work of importance, drafting of Technical reports, specification and Schedules of requirements and checking of the technical particulars of indents for engineering stores rendering of technical advice and assistance in engineering matters to offices of other branches of the Department indentors and manufacturers.

18. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE

Group 'A'

- (i) The Selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.
- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area

in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

- (iii) The following are the rates of pay admissible to them :—

Assistant Executive Engineer—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

Executive Engineer Rs. 3000-100-3500-125-4500.

Superintending Engineer—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

Chief Engineer—Rs. 5900-200-6700.

- (iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

- (v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified areas besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.
- (vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.
- (vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

